रायपुर, जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-1 अंक-170 ● रायपुर ● गुरुवार , 12 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 4 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 2 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।

स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ के 3 शहरों को राष्ट्रीय सम्मान:बिल्हा को मिला पहला

रायपुर और बिलासपुर को भी अलग-अलग कैटेगरी में अवार्ड

रायपुर, यशभारत। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में छत्तीसगढ़ के तीन शहरों ने राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान हासिल किया है। बिल्हा नगर पालिका को 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पहला स्थान मिला है।

वहीं, स्वच्छ रिवर फ्रंट रैंकिंग में बिलासपुर को दूसरा और 'स्टेट फर्स्ट स्वच्छ सिटी ऑफ छत्तीसगढ़' श्रेणी में रायपुर नगर निगम को पहला स्थान मिला है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बुधवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार प्रदान किए।

मंत्री अरुण साव और सचिव सोनमणि बोरा ने लिया पुरस्कार

छत्तीसगढ़ की ओर से नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव और विभागीय सचिव सोनमणि बोरा ने समारोह में पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि में नगरीय निकायों के अधिकारियों, सफाई कर्मचारियों और शहर के लोगों की भागीदारी को अहम माना गया है।

इस बार पुरस्कार लेने के लिए हर शहर से चार प्रतिनिधियों को मंच पर बुलाने की व्यवस्था की गई थी। इनमें सफाई मित्र, स्वच्छता निरीक्षक, पर्यवेक्षक और स्वच्छता मिशन से जुड़े अधिकारी शामिल रहे।

4751 से अधिक शहरों का 43 संकेतकों पर हुआ मूल्यांकन

स्वच्छ सर्वेक्षण का यह 10वां संस्करण था। इसमें देशभर के 4751 से अधिक शहरों का 10 प्रमुख क्षेत्रों के 43 संकेतकों पर मूल्यांकन किया गया। इनमें कचरे का पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक स्थानों की सफाई, स्वच्छता सुविधाएं, सीवेज प्रबंधन, नागरिकों की भागीदारी और सफाई कर्मचारियों का कल्याण शामिल था।देशभर में 3 हजार से अधिक प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं ने मौके पर जाकर शहरों की स्थिति जांची। पूरी प्रक्रिया डिजिटल और GPS आधारित निगरानी के जरिए की गई। इस बार सर्वेक्षण की थीम 'स्वच्छता की नई पहल- बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' रखी गई थी।



पिछली बार रायपुर को मिला था देश में चौथा स्थान

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर ने 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देशभर में चौथा स्थान हासिल किया था। शहर को कुल 12,500 अंकों में से 11,996 अंक मिले थे। इस श्रेणी में अहमदाबाद पहले, भोपाल दूसरे और लखनऊ तीसरे स्थान पर रहे थे।रायपुर को सर्वेक्षण के 10 हजार अंकों में से 9,496 अंक मिले थे। वहीं, गार्बेज फ्री सिटी (त्रस्टष्ट) सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 1,300 और ह्यष्ठस्र सर्टिफिकेशन के लिए निर्धारित 1,200 में पूरे अंक मिले थे। दोनों सर्टिफिकेशन में रायपुर को कुल 2,500 अंक हासिल हुए थे।

जबलपुर भी दूसरे नंबर पर

राज्यवार प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान में जयपुर और मध्यप्रदेश में ग्वालियर को सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार मिला है। वहीं, 50 हजार से 3 लाख की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में मध्यप्रदेश के देवास ने पहला स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि प्रदेश के स्वच्छता अभियान के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वच्छता सर्वेक्षण में इस बार कुछ नई श्रेणियों और पहलों को भी शामिल किया गया। मेंटर सिटी श्रेणी में अहमदाबाद को पहला, इंदौर को दूसरा और तिरुपति को तीसरा स्थान मिला। इन शहरों के साथ क्रमश: साणंद, देपालपुर और कुप्पम को मेंटी सिटी के रूप में जोड़ा गया था। स्वच्छ शहर जोड़ी पहल का उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों के अनुभव और व्यवस्थाओं को दूसरे शहरों तक पहुंचाना है, ताकि स्वच्छता के स्तर में सुधार किया जा सके। इस बार नदी किनारे बसे शहरों के लिए रिवर टाउन और अर्बन रिवर फ्रंट्स के तहत विशेष मूल्यांकन किया गया। दूसरी ओर, 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में उज्जैन देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है, जबकि 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देवास ने पहला स्थान हासिल।



कुलगाम में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल

बाइक सवार हमलावरों ने 15 सेकेंड में की करीब 30 राउंड फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए सीआरपीएफ के अखरान कैंप पर हमला कर दिया। बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में तीन जवान घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हमलावरों की तलाश में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।



जानकारी के मुताबिक, हमला दोपहर करीब 2.15 बजे हुआ। उस समय सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन के जवान अखरान कैंप के पास नाका ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान बाइक सवार हमलावर वहां पहुंचे और जवानों पर गोलियां बरसाने लगे। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हमले में हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो तथा राकेश दास घायल हुए हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है।

हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हमलावर करीब 15 सेकेंड के भीतर लगभग 30 राउंड फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अचानक गोलियां चलने और जवानों के बीच अफरा-तफरी की आवाजें सुनाई दे रही हैं। घटना के बाद वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल जवानों का हाल जाना और हमले की जानकारी ली।

कुलगाम दक्षिण कश्मीर का संवेदनशील जिला है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में आतंकियों की गतिविधियां सामने आती रही हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं में 45 जवान शहीद हुए हैं, जबकि 138 आतंकी मारे गए हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हमले में शामिल लोगों की पहचान और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने में जुटी हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ी, एम्स में भर्ती



नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। मॉर्निंग वॉक के दौरान वे बेहोश होकर गिर पड़े। सुरक्षाकर्मी उन्हें तत्काल उनके आवास पर लेकर पहुंचे, जहां कुछ मिनट तक वे बेहोश रहे। इसके बाद मेडिकल टीम ने प्राथमिक जांच की और उन्हें एम्बुलेंस से दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंचाया गया। 75 वर्षीय धनखड़ को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका इलाज कार्डियोलॉजी विभाग में चल रहा है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अस्पताल प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, धनखड़ के आवास पर पहुंचने के बाद एम्स की मेडिकल टीम और डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच की थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि धनखड़ को पहले भी हृदय संबंधी परेशानी हो चुकी है। मार्च 2025 में अचानक चक्कर आने, घबराहट और सीने में जकड़न की शिकायत के बाद उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने उनके हृदय में स्टेंट डाला था। धनखड़ अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति रहे थे।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम के कपाट

गंगोत्री,यशभारत। उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा की उत्सव डोली सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को पांच क्विंटल फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर के कपाट इस वर्ष 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले गए थे। कपाट बंद होने के अवसर पर गंगोत्री धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। सुबह करीब 200 श्रद्धालु धाम में मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं में मां गंगा के अंतिम दर्शन को लेकर खासा उत्साह रहा। धाम में सुबह का तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय भी पारा माइनस 2 से 3 डिग्री के बीच बना रहा। मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष यात्रा सीजन के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा के दर्शन किए।

यूपी के 15 शहरों में घना कोहरा, दिल्ली की हवा बेहद खराब, बिहार में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दिवाली के बाद से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में कोहरा और धुंध का असर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह संभल, हापुड़, बिजनौर और शामली समेत प्रदेश के 15 शहर घने कोहरे की चपेट में रहे। सुबह के समय दृश्यता कम होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हरदोई में न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री और बरेली में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये प्रदेश के सबसे ठंडे शहरों में रहे। बिहार में मौसम का मिला-जुला रुख बना हुआ है। सुबह और रात के समय हल्की ठंड महसूस हो रही है, जबकि दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने जमुई, मुंगेर और बांका समेत पांच जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में मौसम बदलने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने चिंता बढ़ा दी है। बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 322 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर राहुल ने जताई थी आशंका

कहा था- सुरक्षा नहीं बढ़ी तो पिता के अंतिम संस्कार में आना पड़ेगा-सोनिया गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग्स- ए जर्नी ऑफ लव' में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या से पहले उनकी सुरक्षा को लेकर उठी चिंताओं का खुलासा किया है। सोनिया ने लिखा है कि राहुल गांधी को अपने पिता राजीव गांधी की हत्या की आशंका थी। मार्च 1991 में अमेरिका लौटने से पहले राहुल ने कहा था कि यदि पिता की सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई तो उन्हें जल्द ही उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए घर लौटना पड़ेगा। सोनिया गांधी के मुताबिक, उस समय राजीव गांधी की जान पर खतरा लगातार बढ़ रहा था, लेकिन उनकी सुरक्षा व्यवस्था कमजोर कर दी गई थी। प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद भी उनकी जान को खतरा बना हुआ था और उन्हें पहले जैसी सुरक्षा नहीं मिल रही थी। सोनिया गांधी की किताब मंगलवार को बाजार में आई है। किताब के कवर पर लगी तस्वीर को राजीव गांधी ने 1986 में क्लिक किया था। इसमें सोनिया ने मार्च 1991 की उस घटना का जिक्र किया है, जब ईस्टर की छुट्टियों के दौरान राहुल अमेरिका से भारत आए थे। उस समय राहुल पढ़ाई के सिलसिले में अमेरिका में रह रहे थे। उन्होंने अपने पिता के साथ बिहार दौरे पर जाने की जिद की। इस दौरे के दौरान राहुल ने जो कुछ देखा, उससे वह बेहद परेशान हो गए। राजीव गांधी जिस खुली जीप में सफर कर रहे थे, उस पर विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं ने पत्थर और ईंटें बरसाईं। यह सब स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में हो रहा था, लेकिन पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे। उन्होंने न तो राजीव गांधी को बचाने का प्रयास किया और न ही हमले को रोकने के लिए कोई कदम उठाया। राहुल ने इस घटना के बाद पिता की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। सोनिया ने किताब में लिखा है कि 1984 में प्रधानमंत्री बनने के समय से ही राजीव गांधी को तीन आतंकवादी संगठनों से खतरा था। इन खतरों की जानकारी सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारियों को भी थी। सोनिया के मुताबिक, दिसंबर में हुई एक समिति की बैठक में फैसला लिया गया था कि राजीव गांधी को मिलने वाली विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) की सुरक्षा जारी रखी जाएगी। इसमें बदलाव तभी किया जाना था, जब नए सिरे से खतरे का आकलन करने के बाद इसकी जरूरत महसूस होती। इसके बावजूद वीपी सिंह सरकार ने अगले ही महीने राजीव गांधी की एसपीजी सुरक्षा हटा दी।



दस महीने की गिरावट की भरपाई के करीब पहुंचा शेयर बाजार

मुंबई, यशभारत। शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला जारी है। बुधवार को सेंसेक्स 1300 अंक से ज्यादा उछलकर 82,400 के पार पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसमें करीब 1.65 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार में आई इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। वहीं, निफ्टी भी 350 अंक की बढ़त के साथ 25,400 के स्तर पर पहुंच गया। इसमें करीब 1.40 प्रतिशत की तेजी रही। बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2026 की शुरुआत में सेंसेक्स 1 जनवरी को 85,188 अंक के स्तर पर था। इसके बाद बाजार में लगातार गिरावट का दौर शुरू हुआ और 1 अक्टूबर को सेंसेक्स लुढ़ककर 71,292 अंक के इस साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स में करीब 16 प्रतिशत यानी 13,896 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। लगातार बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी, टॉयलेट में मिला नोट

कोलकाता-मुंबई विमान में 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे सवार

पायलट ने एटीसी को दी सूचना, आइसोलेशन बे में भेजकर शुरू की गई जांच

कोलकाता,एजेंसी। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट में बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के टॉयलेट में धमकी भरा नोट मिलने के बाद चालक दल ने तत्काल पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने बिना देर किए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेज दिया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। घटना के समय विमान में 93 यात्री और पांच क्रू मेंबर सहित कुल 98 लोग सवार थे।



जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का एयरबस ए320नियो विमान बुधवार सुबह कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक नोट मिला, जिसमें विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। नोट मिलने के बाद चालक दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पायलट को सूचित किया। पायलट ने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया, ताकि उसकी विस्तृत जांच की जा सके। सुरक्षा एजेंसियां नोट की सत्यता और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुट गई।



असम में इंजन समेत छह बोगी पटरी से उतरीं, 50 यात्री घायल

कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस डेड एंड के बैरियर से टकराई, लोको पायलट का वीडियो वायरल, बोले- सिग्नल रेड है, ब्रेक काम नहीं कर रहे

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के कामरूप जिले में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में करीब 50 यात्रियों के घायल होने की स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है, हालांकि रेलवे की ओर से सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की बात कही गई है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 6.54 बजे डिगारू स्टेशन पर हुआ। ट्रेन को दूसरी रेल लाइन पर ले जाने के दौरान उसकी गति कम नहीं हो सकी और वह रेलवे ट्रैक के अंतिम छोर पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि इंजन के साथ पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। कुछ डिब्बे दूसरे ट्रैक और आसपास की जमीन पर जा टिके। इस हादसे से पहले का लोको पायलट का करीब 45 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में लोको पायलट इंजन के कंट्रोल पैनल के सामने दिखाई दे रहे हैं। वे कहते सुनाई दे रहे हैं कि सिग्नल रेड है और इमरजेंसी सिस्टम लगाने के बावजूद कुछ काम नहीं कर रहा है। उन्होंने ब्रेक सिस्टम में खराबी की आशंका जताते हुए कहा कि एस-9 और आर-9 भी काम नहीं कर रहे हैं। यह वीडियो सामने आने के बाद हादसे के कारणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

आनंद से अनुज तक 100 भारतीय चेस ग्रैंड मास्टर्स का सुहाना सफर

जबलपुर, यशभारत। *सन् 2026 की दीपावली भारतीय शतरंज के इतिहास के लिये सुनहरा इतिहास लिख गई। इस दिन मध्यप्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने न केवल स्वयं के लिये ग्रेंड-मास्टर का खिताब अर्जित किया, वरन देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स बनने को गौरव भी प्राप्त किया। वे मध्यप्रदेश के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रेंड-मास्टर्स के मामले में मध्यप्रदेश के सूखे को समाप्त कर दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश के नाम पर एक भी ग्रैंड मास्टर दर्ज नहीं था।*

देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स का ताज,मप्र के पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा

यूँ तो शतरंज का इतिहास बहुत पुराना है। कुछ लोग तो भारत को शतरंज का जनक भी मानते हैं। लेकिन आधुनिक शतरंज के खेल में भारत वर्षों तक गुमनामी के अंधेरे में रहा। कहने को भारत में शतरंज तो खेला जाता रहा लेकिन कोई विशेष उपलब्धि दर्ज नहीं थी। सन् 1988 में भारतीय शतरंज का सूर्य विश्व-पटल पर उदय हुआ, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस वर्ष तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद (विशु) ने ग्रेंड-मास्टर का टाइटल प्राप्त किया। वे भारत के पहले ग्रैंड मास्टर बने। लेकिन वे यहीं नहीं रुके, वरन 5 बार विश्व चैम्पियन बन कर ऐसा इतिहास रचा जिसे विश्व अब भी गौरव के साथ याद करता है। । सच कहें तो उनके शिखर पर पहुंचने के बाद देश में शतरंज का जुनून पैदा हुआ, लेकिन सन् 2000 तक भारत के झोली में आनंद के अलावा सिर्फ दिव्येंदु बरुआ (1991) तथा प्रवीण थिप्से (1997) ही ग्रेंड-मास्टर थे। तब तक शतरंज के दुनिया में सोवियत रूस, अमेरिका जैसे देशों की तूती बोलती थी। तब तक जर्मनी भी अपना दबदबा बना चुका था। सन 2000 के बाद भारतीय शतरंज ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी। महिला खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाने लगीं। 2002 में कोनेरू हम्पी ने अपना ग्रेंड-मास्टर खिताब जीतकर सनसनी फैला दी। फिर द्रोणावली हरिका ने कमाल कर दिखाया। भारतीय शतरंज का यशस्वी दौर तो सन 2010 के बाद शुरू हुआ। जब एक के बाद एक नये शतरंज खिलाड़ी विश्व पटल पर धूम मचाने लगे । आज की स्थिति में डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती जैसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिसके सामने विश्व स्तरीय खिलाड़ भी चकरा जाते हैं। डी. गुकेश ने तो विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने का नया इतिहास रच दिया। भारत के शतरंज इतिहास ने किस कदर गति पकड़ी है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगता है कि भारत के 50 ग्रेंड मास्टर्स बनने में 30 साल लग गए, वही 50 से 100 ग्रेंड मास्टर्स बनने में सिर्फ 8 साल ही लगे। आज भारत चौथा ऐसा देश है जहां 100 से ज्यादा ग्रेंड मास्टर मौजूद हैं। पहले नंबर पर रूस है, जिसके खाते में 185 जीएम(ग्रेंड-मास्टर) दर्ज हैं । दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जिसके 110 से ज्यादा खिलाड़ी यह खिताब पा चुके हैं। जर्मनी का आंकड़ा भारत के नजदीक ही हैं, इनके पास 103 ग्रेंड मास्टर हैं। इस दीपावली की रात भारत ने भी 100 का जादूई आंकड़ा छू लिया। मध्यप्रदेश के 22 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने 7 वें ASEAN प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप 2026 में खिताब जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के मोरिस जेम्स को हराकर भारत के लिए 100 वें ग्रेंड-मास्टर का खिताब दिलाया। उनकी यह उपलब्धि जहां देश को गौरवान्वित करती है वहीं मध्यप्रदेश के लिये इतिहास गढ़ती है। यूँ तो मध्यप्रदेश के खाते में इंटरनेशनल खिलाड़ी (आईएम) तो हैं, लेकिन ग्रेंड मास्टर का खाता खोलने का रिकार्ड अनुज के नाम दर्ज हुआ।मध्यप्रदेश में अनुज के पीछे आयुष शर्मा रखें हैं। जिन्होंने जीएम के नॉर्म्स (**Norms**)तो प्राप्त कर लिए, लेकिन खिताब प्राप्त करना शेष है।



अनुज जबलपुर के वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के साथ

जबलपुर-कटनी से है गहरा नाता

जहां तक अनुज श्रीवात्री का सवाल है, उनका जन्म जबलपुर से गहरा नाता है। अनुज का जन्म निकटवर्ती कटनी जिले में हुआ है, लेकिन उन्होंने अपनी प्रारंभिक चेस की कोचिंग जबलपुर में प्राप्त की। वे वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के पास वर्षों तक सीखते रहे हैं। प्रारंभिक दौर में वे कई बार जबलपुर में शतरंज के टूर्नामेंट में शामिल होने आते रहे हैं। अब अनुज का परिवार भोपाल में बस गया है, किन्तु उनके पिता अशोक श्रीवात्री जबलपुर में पदस्थ हैं।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, स्मृति ईरानी ने दशहरा मैदान पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में होगा राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन होंगे मुख्य अतिथि, जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में योगदान को किया जाएगा रेखांकित

राज्य प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी ने दशहरा मैदान पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को समय-सीमा में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के दिए निर्देश

जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्ति करण और रोजगार से जुड़ी योजनाओं की लगेगी विशेष प्रदर्शनी



यश भारत

रायपुर। महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस आयोजन के माध्यम से जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत, समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, लोकज्ञान तथा राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही जनजातीय समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी आम नागरिकों को दी जाएगी।

राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों का जायजा लेने आज राज्य प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी धरमजयगढ़ के दशहरा मैदान पहुंचीं। उन्होंने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, आवागमन, सुरक्षा, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

स्मृति ईरानी ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए जा रहे प्रदर्शनी स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टॉलों में प्रदर्शित की जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों तथा जनजातीय हितग्राहियों को मिल रहे लाभों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रदर्शनी को आकर्षक, जानकारीपूर्ण और जनोपयोगी बनाया जाए, ताकि आम नागरिकों, विशेषकर युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज की उपलब्धियों, समृद्ध परंपराओं और शासन की योजनाओं के संबंध में बेहतर जानकारी प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी, कृषि मंत्री एवं रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत और राष्ट्र निर्माण में योगदान को मिलेगा सम्मान

राज्य प्रभारी श्रीमती स्मृति ईरानी ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में महत्वपूर्ण है। यह अवसर केवल जनजातीय वीरों के बलिदान को नमन करने का ही नहीं, बल्कि उनके संघर्ष, साहस और स्वाभिमान से प्रेरणा लेकर समावेशी विकास, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में जनजातीय समाज की भागीदारी को और मजबूत करने का भी है।

उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस और गौरव सप्ताह का संदेश है कि जनजातीय समाज का इतिहास केवल संघर्ष और बलिदान की गाथा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता, संस्कृति, स्वाभिमान और राष्ट्र निर्माण की अमूल्य विरासत है। इस विरासत का सम्मान और संरक्षण विकसित भारत एवं विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

श्रीमती ईरानी ने कहा कि युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास, परंपरागत ज्ञान और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराना आवश्यक है। जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान, ऐतिहासिक योगदान और गौरवशाली परंपराओं को व्यापक स्तर पर सामने लाने का अवसर मिलेगा।

विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की लगेगी विशेष प्रदर्शनी

राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विभागीय उपलब्धियों और जनजातीय हितग्राहियों के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी आम नागरिकों को दी जाएगी।

प्रदर्शनी में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि एवं संबद्ध विभाग, वन विभाग, ऊर्जा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा उद्योग एवं रोजगार विभाग सहित विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ ही जनजातीय समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को करीब से जानने का अवसर भी मिलेगा।

प्रदर्शनी को इस प्रकार तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रम में पहुंचने वाले नागरिकों को योजनाओं के लाभ, उनसे जुड़ी प्रक्रियाओं और विभागीय गतिविधियों की समुचित जानकारी आसानी से प्राप्त हो सके। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को जनजातीय समाज की उपलब्धियों, पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने पर जोर दिया गया है।

आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तैयारियां : वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन में शामिल होने वाले अतिथियों और आम नागरिकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। मंच, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, आवागमन, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित की जाएं।

चौधरी ने विभिन्न विभागों के प्रदर्शनी स्टॉलों को आकर्षक, जानकारीपूर्ण और जनोपयोगी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में आने वाले लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं, उनका लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा विभागीय गतिविधियों के संबंध में स्पष्ट और उपयोगी जानकारी मिलनी चाहिए।

धरमजयगढ़ में 15 नवंबर को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपराओं, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक योगदान और स्वाभिमान को सम्मान देने का महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। इसके साथ ही जनजातीय समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी व्यापक मंच मिलेगा। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित यह समारोह जनजातीय गौरव, सांस्कृतिक संरक्षण, सामाजिक समरसता और विकास का संदेश पूरे प्रदेश में प्रसारित करेगा।

बस्तर से सरगुजा तक जल-जंगल-जमीन की लूट मचाने वाले जनजाति गौरव का पाखंड कर रहे हैं: दीपक बैज

यश भारत

रायपुर। स्मृति ईरानी के रायगढ़ दौरे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की जनता भाजपा का सबसे बड़ा और खतरनाक चेहरा देख रही है, जो भाजपाई छत्तीसगढ़ के अंदर बस्तर से लेकर सरगुजा तक आदिवासियों पर जुल्म ढा रहे हैं, उनके जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के पैरों में रौंद रहे हैं, वही लोग रायगढ़के धरमजयगढ़ में जाकर जनजाति गौरव दिवस का ढोंग रच रहे हैं। यह आदिवासियों के प्रति प्रेम नहीं, बल्कि उनके शोषण पर पर्दा डालने का राजनीतिक पाखंड है। इसी रायगढ़ जिले के तमनार में आदिवासी हितों को जबरिया कुचला गया, अपने संसाधनों को बचाने प्रदर्शन करने वाले ग्रामीणों को बर्बरता पूर्वक पीटा गया, बिना ग्रामसभा की सहमति के तारा कोल ब्लॉक और पवित्र नंदराज पर्वत अडानी को सौंपना, वनाधिकार पट्टों को रोकना और हजारों आदिवासियों के लोकतांत्रिक विरोध को कुचलना इस सरकार की तानाशाही फितरत को बेनकाब करता है।



प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा सरकार भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, महानायक गुण्डाधुर, अमर शहीद गैंदसिंह, माता राजमोहिनी देवी, कंगला मांझी के वंशजों को लगातार प्रताड़ित कर रही है। बस्तर से सरगुजा तक हजारों निर्दोष आदिवासियों को जेलों में बंद कर अत्याचार करने वाले, उनके जल-जंगल-जमीन लूटने वाले और विरोध को पुलिसिया बल से कुचलने वाले भाजपाई जनजाति गौरव दिवस' का ढोंग कर रहे हैं। यह आदिवासियों की संस्कृति का सम्मान नहीं, बल्कि उनके दर्द पर नमक छिड़कने वाला राजनीतिक पाखंड है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही अडानी और पूंजीपतियों के मुनाफे के लिए आदिवासियों के फेफड़ों यानी हसदेव अरण्य, नंदराज पर्वत, बैलाडीला, तारा कोल ब्लॉक और तमनार में अंधाधुंध वनों की कटाई की जा रही है। बिना ग्रामसभा की अनुमति के तानाशाही तरीके से आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है। ?पोलावरम और बोधघाट परियोजना के विस्थापितों, पीड़ितों और प्रभावितों से बात करने की बजाय उनके विरोध को लाठी-डंडों से कुचला जा रहा है। बिना पुनर्वास और बिना उचित मुआवजे के कॉरपोरेट घरानों को जमीनें सौंपी जा रही हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा के डबल इंजन सरकार में ?आदिवासियों की आजीविका का मुख्य आधार महुआ, तेंदूपत्ता, इमली और लघु वनोपज संकट में है। नदियां प्रदूषित हो रही हैं और वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास उजड़ रहा है, जिससे पूरा आदिवासी समाज हाशिए पर धकेला जा रहा है। ?पिछली कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में पेसा कानून को प्रभावी ढंग से लागू किया, तेंदूपत्ता संग्रहण और लघु वनोपजों की खरीदी बढ़ाई, और लोहंडीगुड़ा में टाटा प्रभावित आदिवासियों को उनकी जमीन वापस लौटाई थी। इसके विपरीत, वर्तमान भाजपा सरकार आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन को उद्योगपतियों के हाथों गिरवी रख रही है।

मांदर की थाप पर थिरका लखनपुर, करमा महोत्सव में दिखी जनजातीय लोक संस्कृति की अनूठी छटा

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कलाकारों के साथ किया करमा नृत्य, विजेता दलों को किया सम्मानित

यश भारत

रायपुर। जनजातीय लोक संस्कृति, परंपरा और कला के रंगों से बुधवार को लखनपुर का साक्षरता मिनी स्टेडियम सराबोर हो उठा। जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित ब्लॉक स्तरीय जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव 'करमा महोत्सव' में पारंपरिक लोकगीतों और मांदर की गूंजती थाप ने ऐसा समां बांधा कि पूरा परिसर उत्साह और उमंग से झूम उठा। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे जनजातीय कलाकारों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने भी कलाकारों के साथ करमा नृत्य में शामिल होकर जनजातीय संस्कृति के प्रति अपनी आत्मीयता और उत्साह का परिचय दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जनजातीय समाज की लोककला, संस्कृति और परंपराएं छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर हैं। इन परंपराओं का संरक्षण करना और इन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि करमा महोत्सव जैसे आयोजन जनजातीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा और पारंपरिक कला का प्रदर्शन करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करते हैं। साथ ही ऐसे आयोजनों से हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलती है। उन्होंने सभी प्रतिभागी कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता दलों को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



महोत्सव में विकासखंड के तुरना, कोरजा, लोसगा और केवरा सेक्टरों से आए 12 नृत्य दलों ने अपनी लोककला का प्रदर्शन किया। करमा नृत्य प्रतियोगिता में जय शिव शारदा करमा पार्टी परसोदी कला ने प्रथम तथा आदिवासी करमा दल पीपरखार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शहीद वीर नारायण सिंह लोक कला महोत्सव के अंतर्गत आयोजित लोकनृत्य प्रतियोगिता में शैला पार्टी तराजू ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लखनपुर विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

करमा महोत्सव ने न केवल जनजातीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया, बल्कि लोक संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक एकता के महत्व को भी प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। मांदर की थाप और करमा गीतों की गूंज के बीच संपन्न हुआ यह आयोजन जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक यादगार पहल बनकर उभरा।

चर्च में घुसकर हंगामा: महिलाओं से विवाद और युवक से मारपीट का आरोप, मसीही समुदाय ने किया चक्काजाम

यश भारत



कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार दोपहर चर्च में हंगामे के बाद तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। हिंदू संगठन से जुड़े कुछ लोगों पर चर्च में घुसकर महिलाओं से विवाद करने और एक युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है।

घटना से नाराज मसीही समुदाय के लोगों ने कोरबा-रजगामार मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इससे सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। मामला रजगामार चैकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर कुछ लोग चर्च के अंदर पहुंच गए और वहां मौजूद महिलाओं से विवाद करने लगे। इस दौरान विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना की खबर फैलते ही मसीही समुदाय के लोगों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए।

वहीं, हिंदू संगठन से जुड़े लोगों का आरोप है कि चर्च में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। उनका कहना है कि इससे पहले भी इस तरह की गतिविधियों का विरोध किया गया था, लेकिन इसके बावजूद मामला सामने आ रहा है। धर्म परिवर्तन के आरोप और चर्च में हुए विवाद के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। घटना से नाराज मसीही समुदाय के लोगों ने आरोपियों के खिलाफकार्रवाई की मांग को लेकर कोरबा-रजगामार मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। काफी देर तक जाम रहने के कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और शिकायत के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद लोगों ने चक्काजाम समाप्त कर दिया। एहतियात के तौर पर घटनास्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले भी रजगामार क्षेत्र में धर्म परिवर्तन के आरोप को लेकर विवाद हुआ था। उस दौरान भी पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। पुलिस ने मामले में कार्रवाई की थी। इसके बावजूद एक बार फिर इसी तरह का विवाद सामने आने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई है। कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लोगों को समझाइश देकर चक्काजाम समाप्त करा दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।



भिलाई से सुपेला, अवंतीबाई चौक होते हुए दुर्ग-धमधा रोड की राइस मिलों तक पहुंच रहा सरकारी चावल, राशन दुकान संचालकों की भूमिका पर भी उठे सवाल

'सरकार गरीब और जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा की गारंटी देने के लिए निःशुल्क चावल उपलब्ध करा रही है, लेकिन यदि यही चावल कालाबाजारी के जरिए मुनाफाखोरों की जेब तक पहुंच रहा है, तो यह पूरी सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।'

गरीबों के निवाले पर माफियाओं की नजर!

दुर्ग में पीडीएस चावल की कालाबाजारी का कथित बड़ा नेटवर्क

दुर्ग। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गरीब परिवारों को मिलने वाले सरकारी चावल की कथित कालाबाजारी का मामला गंभीर होता जा रहा है।

आरोप है कि जिले में सरकारी चावल की अवैध खरीद-बिक्री का एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जिसके माध्यम से राशन दुकानों से चावल एकत्र कर बिचौलियों और परिवहनकर्ताओं के जरिए राइस मिलों तक पहुंचाया जा रहा है। इस कथित कारोबार में रोजाना बड़ी संख्या में वाहनों के इस्तेमाल की भी चर्चा है।

सूत्रों के अनुसार, भिलाई से सुपेला और अवंतीबाई चौक होते हुए दुर्ग-धमधा रोड पर संचालित कुछ राइस मिलों तक सरकारी चावल पहुंचाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इस पूरे नेटवर्क में राशन दुकान संचालकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। आरोप है कि कुछ संचालक हितग्राहियों को उनके हिस्से का राशन देने के बजाय नकद राशि का लालच देकर चावल खरीद लेते हैं। इसके बाद बिचौलियों के माध्यम से चावल माफियाओं तक पहुंचता है और वहां से राइस मिलों में खपाने का कथित खेल चलता है।

यदि इन शिकायतों की पुष्टि होती है तो यह गरीब परिवारों के खाद्यान्न अधिकारों के साथ बड़ा खिलवाड़ होगा। ÷सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को शासन द्वारा निर्धारित पात्रता के अनुसार निःशुल्क या रियायती दरों पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना है।÷, लेकिन इसी व्यवस्था का लाभ उठाकर सरकारी चावल को खुले बाजार में खपाने का प्रयास किया जाना गंभीर अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

विभागीय निगरानी पर उठ रहे सवाल

इस कथित नेटवर्क को लेकर खाद्य विभाग और पुलिस की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सवाल यह है कि यदि नियमित रूप से सरकारी चावल का परिवहन हो रहा है, तो राशन दुकानों से लेकर परिवहन मार्गों और राइस मिलों तक इसकी निगरानी क्यों नहीं हो पा रही है? संबंधित राइस मिलों के स्टॉक रजिस्टर, खरीद-बिक्री के दस्तावेज और चावल के स्रोत की जांच की जाए तो पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकती है। सूत्रों की मानें तो इस कथित कारोबार में कुछ प्रभावशाली लोगों और राजनीतिक संरक्षण की भूमिका होने की भी चर्चा है। हालांकि इस

राशन दुकान संचालकों की भूमिका की जांच जरूरी

पूरे मामले में राशन दुकान संचालकों की भूमिका की जांच सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है। विभाग को यह पता लगाना चाहिए कि दुकानों में आवंटित चावल की वास्तविक मात्रा कितनी है, हितग्राहियों को कितना वितरण किया गया और रिकॉर्ड में दर्ज वितरण तथा वास्तविक वितरण में कोई अंतर तो नहीं है। हितग्राहियों के बयान और ई-पॉस मशीन के रिकॉर्ड का मिलान करने से भी कथित गड़बड़ी का खुलासा हो सकता है।

अब सवाल यह है कि जिला प्रशासन, खाद्य विभाग और दुर्ग पुलिस इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। क्या संबंधित राइस मिलों के स्टॉक की जांच होगी? क्या संदिग्ध वाहनों के परिवहन रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे? और क्या राशन दुकानों से लेकर मिलों तक सरकारी चावल पहुंचाने वाले पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच होगी? गरीबों के हिस्से का चावल यदि कालाबाजारी के जरिए मुनाफे का साधन बनाया जा रहा है, तो इसकी जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई जरूरी है।

जनजातीय गौरव दिवस पर छत्तीसगढ़ में दिखेगी आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और स्वाधीनता संग्राम के शौर्य की अनुपम झलक

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को रायगढ़ के धरमजयगढ़ में होगा राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

जनजातीय गौरव सप्ताह में शिक्षण संस्थानों में गूंजेंगी जनजातीय वीरों की शौर्यगाथाएं

जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत और परंपरागत ज्ञान से परिचित होगी युवा पीढ़ी

विभागीय योजनाओं और उपलब्धियों की प्रदर्शनी के माध्यम से सामने आएगी जनजातीय विकास की बदलती तस्वीर

यश भारत

रायपुर। देश के स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय समाज के अतुलनीय योगदान, अदम्य साहस, बलिदान और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रहा है। महान जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को प्रदेश में जनजातीय गौरव दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। वहीं 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राज्य शासन के सचिव आदिम जाति विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 15 नवंबर को धरमजयगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों तथा जनजातीय हितग्राहियों के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए विशेष प्रदर्शनी स्टॉल



लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, कृषि एवं संबद्ध विभाग, वन, ऊर्जा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा उद्योग एवं रोजगार विभाग सहित संबंधित विभाग अपनी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की भावना के अनुरूप मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय इतिहास, संस्कृति और परंपरागत ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में प्रयासरत है। राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समाज के उन महानायकों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्रप्रेम को जन-जन तक पहुंचाना है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और सामाजिक स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

जनजातीय गौरव दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन स्वर्णिम अध्यायों को राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित करने का अवसर है, जिनमें जनजातीय नायकों के साहस, नेतृत्व और बलिदान की अमिट गाथाएं अंकित हैं। भगवान बिरसा मुंडा सहित देश के अनेक जनजातीय वीरों ने औपनिवेशिक शासन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की थी। छत्तीसगढ़ के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर और अन्य जनजातीय नायकों की संघर्षगाथाएं आज भी स्वाभिमान, सामाजिक न्याय और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती हैं।

बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, कृषि, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए संचालित प्रयासों को सामने लाया जाएगा। इससे आम नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ ही जनजातीय समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों को समझने का अवसर मिलेगा।

जनजातीय गौरव सप्ताह को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने के लिए प्रदेश के शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें जनजातीय महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जनजातीय इतिहास, लोकसंस्कृति और परंपरागत ज्ञान पर आधारित निबंध लेखन, भाषण, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां शामिल होंगी।

विशेष रूप से माध्यमिक स्तर एवं उससे ऊपर के विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर जनजातीय समाज की जीवनशैली, प्रकृति के साथ उसके गहरे संबंध, सामुदायिक परंपराओं, लोककला और ऐतिहासिक योगदान से परिचित कराना है। इसके लिए जनजातीय इतिहास, संस्कृति एवं स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित साहित्य के संकलन और वितरण के भी निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति अपनी विशिष्ट परंपराओं, लोकनृत्यों, लोकगीतों, हस्तशिल्प, पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति संरक्षण की जीवनदृष्टि के कारण देश में विशेष पहचान रखती है। बस्तर से सरगुजा तक फैली सांस्कृतिक विविधता प्रदेश की अमूल्य धरोहर है। जनजातीय गौरव सप्ताह के माध्यम से इस विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक हस्तांतरण का संदेश दिया जाएगा। राज्य शासन ने आयोजन को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभागीय प्रदर्शनी स्टॉलों में योजनाओं एवं उपलब्धियों का आकर्षक प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। साथ ही शिक्षण संस्थानों में आयोजित गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से करने तथा कार्यक्रमों के प्रतिवेदन और छायाचित्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

रायपुर में पुलिस को चकमा देकर भागा ड्रग्स का आरोपी, अंधेरी गलियों में छिपा, 3 घंटे की तलाश के बाद दोबारा पकड़ाया

रायपुर। रायपुर में नशे के खिलाफ कार्रवाई के दौरान एक आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। उसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया था। पूछताछ और आगे की कार्रवाई के बीच वह अंधेरे और तंग गलियों का फायदा उठाकर भाग निकला। इसके बाद पुलिस ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर तलाश शुरू की। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसे दोबारा पकड़ लिया गया। घटना मौदहापारा थाना क्षेत्र की है।



रजबंधा मैदान के पास पकड़ा गया था आरोपी- पुलिस के मुताबिक, 10 नवंबर की शाम सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति अपने पास प्रतिबंधित मादक पदार्थ रखकर उसे बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल और मौदहापारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रजबंधा मैदान के पास दबिश दी।

इस दौरान पुलिस ने मुशर्रफ खान (24) को पकड़ लिया। मौके पर पूछताछ और आगे की कार्रवाई की जा रही थी। इसी बीच आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। आसपास अंधेरा और गलियां संकरी होने के कारण उसे पकड़ने में पुलिस को परेशानी हुई।

टास्क फोर्स ने संभाला मोर्चा- आरोपी के फरार होने की सूचना के बाद एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और मौदहापारा पुलिस की टीम ने इलाके में घेराबंदी की। संभावित ठिकानों पर तलाश की गई। लगातार कोशिशों के बाद पुलिस ने फरार होने के करीब तीन घंटे के भीतर उसे दोबारा पकड़ लिया।

फिलहाल आरोपी से पूछताछ और तलाशी की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

'दीदी के गोठ' के 16वें एपिसोड में सुनिए सोलर दीदियों की कहानी

आकाशवाणी से होगा प्रसारण, महिलाएं साझा करेंगी अपने अनुभव

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के रेडियो कार्यक्रम 'दीदी के गोठ' का 16वां एपिसोड गुरुवार, 12 नवंबर को प्रसारित होगा। इस एपिसोड का विषय योजना के तहत 'सोलर दीदी' है। कार्यक्रम में सोलर दीदियां अपनी कहानी और अनुभव स्वयं साझा करेंगी। 'दीदियों की कहानी, उन्हीं की जुबानी' की भावना पर आधारित यह मासिक रेडियो कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के अनुभवों और उनकी पहल को श्रोताओं तक पहुंचाने का मंच है। कार्यक्रम का प्रसारण प्रत्येक माह के दूसरे गुरुवार को किया जाता है। इस बार के एपिसोड में सोलर दीदियों पर केंद्रित बातचीत के जरिए श्रोता उनके अनुभव जान सकेंगे। एपिसोड का प्रसारण दोपहर 2 बजे हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी में आकाशवाणी के राज्य के सभी केंद्रों से होगा। दोपहर 2:30 बजे बस्तरिया और सरगुजिया में आकाशवाणी जगदलपुर एवं सरगुजा केंद्र से भी कार्यक्रम सुना जा सकेगा।



श्रोता अपने सवाल भी पूछ सकेंगे- रेडियो कार्यक्रम से संबंधित जिज्ञासा या प्रश्न पूछने के लिए श्रोता दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच टोल-फ्री नंबर 1800-233-2398 पर संपर्क कर सकते हैं।

धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह, 184 से अधिक किसानों ने घर बैठे 'तुंहर टोकन' ऐप से प्राप्त किए टोकन



719.40 क्विंटल से अधिक धान विक्रय के लिए टोकन बुक, किसानों को मिल रही ऑनलाइन सुविधा

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, जिले के 160 उपार्जन केंद्रों में तैयारियां अंतिम चरण में

21 नए उपार्जन केंद्र खुलने से किसानों को मिलेगी सुविधा, 1 लाख 39 हजार 854 किसानों का पंजीयन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने जा रही है। धान खरीदी को लेकर जिले के किसानों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा के लिए शुरू किए गए 'तुंहर टोकन' ऐप से अब किसान घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर रहे हैं। जिले में टोकन जारी होने की प्रक्रिया शुरू होने से अब तक 184 से अधिक किसानों ने ऐप के माध्यम से 719.40 क्विंटल से अधिक धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन बुक कराया है। इन किसानों ने जिले के 72 उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किए हैं।

राज्य शासन की 'तुंहर टोकन' ऐप सुविधा से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन प्राप्त करने हेतु उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। किसान अपने मोबाइल फोन से घर बैठे ही सुविधानुसार टोकन बुक कर पा रहे हैं। इससे किसानों के समय और आवागमन के खर्च की बचत हो रही है। ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान खरीदी की प्रक्रिया अधिक सरल, सुविधाजनक और पारदर्शी बन रही है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के 160 धान उपार्जन केंद्रों में खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। आगामी 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कलेक्टर डॉ. सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि धान बेचने आने वाले किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उपार्जन केंद्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो तथा धान खरीदी की प्रक्रिया सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संचालित हो।

किसानों को धान विक्रय में अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस वर्ष जिले में 21 नए धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। नए केंद्रों के शुरू होने से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को धान लेकर लंबी दूरी तय करने की परेशानी से भी राहत मिलेगी। इससे परिवहन में लगने वाले समय और खर्च की बचत होगी।

नए खरीदी केन्द्रों में धरसींवा विकासखंड के पवनी एवं परसतराई, आरंग विकासखंड के मालीडीह, अकोलीकला, अमेठी, समोदा, बोहरडीह, बनरसी, चरोदा, तोड़गांव एवं मुनगी, अभनपुर विकासखंड के बकतरा, भरेंगा, हसदा एवं उमरपोटी तथा तिल्दा विकासखंड के भुरसुदा, भूमिया, तुलसी, मोहगांव, भहड़ा एवं खपरीडीहखुर्द शामिल है।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए जिले में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय हेतु कुल 1 लाख 39 हजार 854 किसानों का पंजीयन हुआ है। पंजीकृत किसानों का कुल धान रकबा लगभग 1 लाख 29 हजार 121 हेक्टेयर है। जिला प्रशासन द्वारा पंजीकृत किसानों को सुगम एवं पारदर्शी व्यवस्था के तहत धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

घर तक पानी पहुंचा तो बदली जिंदगी, अब परिवार के लिए ज्यादा वक्त

रायपुर। पानी के इंतजाम में बीतने वाला वक्त अब परिवार के काम आ रहा है। जल जीवन मिशन के तहत घरों तक नल से पानी पहुंचने से ग्रामीण महिलाओं की रोजमर्रा की मुश्किलें कम हो रही हैं। रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम तिलगी की श्रीमती पार्वती चौधरी इसका उदाहरण हैं। पहले खाना बनाने, बर्तन-कपड़े धोने और साफ-सफाई के लिए पानी जुटाने में उनका काफी समय और मेहनत खर्च होती थी। कई बार दूसरे जरूरी काम पीछे छूट जाते थे। गर्मियों में परेशानी और बढ़ जाती थी। अब घर में नल से पानी मिलने के कारण पानी जुटाने की भागदौड़ कम हुई है। घरेलू काम आसान हुए हैं और बच्चों की देखभाल तथा परिवार की दूसरी जरूरतों के लिए ज्यादा वक्त मिल रहा है। पार्वती के लिए घर में लगा नल केवल पानी की सुविधा नहीं, रोज की एक बड़ी चिंता से राहत है।



पार्वती की कहानी ग्रामीण महिलाओं के जीवन में पानी की उपलब्धता के महत्व को सामने लाती है। जिन घरों में नल खोलते ही पानी मिल जाता है, वहां यह सामान्य सुविधा लग सकती है। लेकिन जिन महिलाओं को रोज परिवार की जरूरतों के लिए पानी जुटाना पड़ता है, उनके लिए घर तक पानी पहुंचना बड़ा बदलाव है। जल जीवन मिशन के तहत ग्राम तिलगी में घर-घर नल कनेक्शन से पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इसका असर परिवारों की दिनचर्या और रहन-सहन पर दिखाई दे रहा है।

पहले पार्वती के लिए घर के कामकाज के साथ पानी का इंतजाम करना अतिरिक्त जिम्मेदारी थी। सुबह से ही चिंता रहती थी कि परिवार की जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी कैसे मिलेगा। खाना बनाने, बर्तन धोने, कपड़ों की धुलाई और घर की साफ-सफाई के लिए पानी जुटाने में काफी समय निकल जाता था। गर्मियों में पानी की जरूरत बढ़ने से मुश्किलें भी बढ़ जाती थीं।

पार्वती चाहती थीं कि घर पर ही पानी उपलब्ध हो जाए, ताकि रोज की इस मशक्कत से राहत मिल सके। जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद उनकी यह परेशानी काफी हद तक कम हुई है। अब घरेलू कामों के लिए पानी आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इससे उन्हें दूसरे जरूरी कामों के लिए भी समय मिल रहा है।

जल जीवन मिशन के तहत ग्राम तिलगी में घरों तक नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को पर्याप्त मात्रा में निर्धारित गुणवत्ता का सुरक्षित पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराना है। गांव में इस सुविधा से परिवारों को पानी की व्यवस्था के लिए पहले जैसी मेहनत नहीं करनी पड़ रही है।

इस बदलाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं के समय और श्रम की बचत है। पानी जुटाने की जिम्मेदारी हल्की होने से वे घरेलू कार्य अधिक व्यवस्थित ढंग से पूरे कर पा रही हैं। बच्चों की देखभाल और परिवार के साथ समय बिताने के अलावा उन्हें रचनात्मक तथा आजीविका संबंधी गतिविधियों पर ध्यान देने का भी समय मिल रहा है। घर में पानी की उपलब्धता से साफ-सफाई जैसे काम आसान हुए हैं, जिससे स्वच्छता बनाए रखने में भी सहूलियत हो रही है।

भाजपा के वोट चोरी का एक और खेल उजागर, सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई गई - कांग्रेस

यश भारत

रायपुर । द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि इस रिपोर्ट ने वर्तमान दौर के चुनावी प्रणाली और ईवीएम-मतदान आंकड़ों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वोट चोरी का यह खेल अब ढंकने वाला नहीं है। ताज़ा रिपोर्ट ने भाजपा के उस मुखौटे को उतार फेंका है, जिसके पीछे वे पारदर्शी चुनाव का दावा करते थे। शून्य मतदान वाले बूथों पर भाजपा की जीत होना महज संयोग नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सोची-समझी लूट है। आज देश में लोकतंत्र किस मोड़ पर आ गया है, इसका सबसे भयानक प्रमाण द रिपोर्टर्स कलेक्टिव की हालिया पड़ताल ने दे दिया है। महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावी रिकॉर्ड्स में 51 सीटों पर ईवीएम के वोटों और मतदाताओं की संख्या में भारी अंतर पाया गया है।



सबसे शर्मनाक बात यह है कि 19 सीटों पर बूथ पर वोटर्स की संख्या %शून्य% दर्ज थी, और उनमें से अधिकांश पर भाजपा-ह्रष्ठ के उम्मीदवार विजयी घोषित हुए। यह तकनीकी चूक नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सरेआम हत्या है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस इसकी कड़ी निंदा करती है और मांग करती है कि चुनाव आयोग इस पर देश को जवाब दे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपाई हमेशा डिजिटल इंडिया, पारदर्शिता और ईमानदारी का फर्जी ढिंढोरा पीटते हैं, लेकिन जब स्वतंत्र मीडिया और संस्थाएं चुनावी रिकॉर्ड्स की जांच करती हैं, तो आंकड़ों की ऐसी भयंकर गड़बड़ी सामने आती है जो लोकतंत्र को कठघरे में खड़ा करती है। जिन सीटों पर पोलिंग बूथ पर वोटर्स की संख्या %शून्य% दिखाई गई और वहां भाजपा-ह्रष्ठ की जीत हुई, वह सिर्फ तकनीकी गलती नहीं, बल्कि गहरी सुनियोजित साजिश की बू कराती है। जब आम नागरिक का अपने मताधिकार और गिनती की पारदर्शिता से भरोसा उठ जाता है, तो प्रजातंत्र भीड़तंत्र में बदल जाता है। छत्तीसगढ़ का मतदाता भी आज सहमा हुआ है कि क्या उसके वोट की कीमत वाकई सुरक्षित है या पर्दाफाश हो रहे ये आंकड़े छत्तीसगढ़ के भविष्य पर भी सवालिया निशान लगाते हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मतदान करने वाले मतदाताओं और ईवीएम में गिने गए वोटों का मेल न खाना और 19 सीटों पर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या शून्य दर्ज होना सीधे तौर पर लोकतंत्र की आत्मा पर आघात है। जिस तरह से देश में चुनावी रिकॉर्ड्स से खिलवाड़ हो रहा है, छत्तीसगढ़ के लोगों को भी अब अपनी लोकतांत्रिक सुरक्षा को लेकर सतर्क होना होगा। भाजपा सरकार जनता के हक और अधिकारों को रौंदने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। यह चुनाव आयोग या विपक्ष का मामला नहीं, सीधे तौर पर भारत के संविधान और आम आदमी के एक वोट, एक मूल्य के अधिकार का है। अगर आंकड़े पारदर्शी हैं, तो भाजपा और आयोग मिलकर इन 51 सीटों के सीसीटीवी फुटेज और फॉर्म-17ष्ट को सार्वजनिक करने से क्यों डर रहे हैं? जब चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में वोटर ही जीरो हैं, तो भाजपा की झोली वोटों से कैसे भर गई? यह वोटों की गिनती नहीं, सीधे लोकतंत्र की लूट है।

भाजपा सरकार बनने के बाद बिजली बिल जनता की लूट का माध्यम बन गया है: शुक्ला

यश भारत

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बिजली की कीमतों में 33 प्रतिशत वृद्धि, फिर कोयले के दाम पर अतिरिक्त शुल्क और अब बिजली बिल में अतिरिक्त सुरक्षा निधि जोड़कर जनता की जेब पर डाका डाल रही भाजपा सरकार।छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद बिजली आम जनता की सुविधा के बजाय उसकी जेब पर बोझ और सरकारी वसूली का माध्यम बनती जा रही है। सरकार ने पहले ही बिजली की दरों में लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि कर आम उपभोक्ताओं पर महंगाई का बोझ डाल दिया है। इसके बाद कोयले की कीमतों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क का बोझ उपभोक्ताओं पर डाला गया और अब इस माह के बिजली बिल में अतिरिक्त सुरक्षा निधि जोड़कर जनता से वसूली की जा रही है।



बिजली कनेक्शन लेते समय विद्युत कंपनी उपभोक्ताओं से सुरक्षा निधि जमा कराती है। इसके अलावा मीटर लगाने के नाम पर भी शुल्क लिया जाता है। जब कनेक्शन देते समय सुरक्षा निधि पहले ही जमा करा ली गई है, तो फिर हर साल अतिरिक्त सुरक्षा निधि वसूलने का औचित्य क्या है? विद्युत कंपनी को जनता को इसका स्पष्ट जवाब देना चाहिए कि पहले से जमा सुरक्षा निधि का क्या हुआ और बार-बार उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ क्यों डाला जा रहा है?

कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के बजाय हर स्तर पर उनसे अतिरिक्त वसूली की जा रही है। बिजली की बढ़ी हुई दरें, अतिरिक्त कोयला शुल्क और अब सुरक्षा निधि के नाम पर वसूली ने आम परिवारों, मध्यम वर्ग, किसानों और छोटे कारोबारियों का बजट बिगाड़ दिया है। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार को यह समझना चाहिए कि बिजली कोई विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि आम आदमी की बुनियादी जरूरत है। सरकार का दायित्व जनता को सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना है, न कि अलग-अलग मदों के नाम पर हर महीने और हर साल उपभोक्ताओं पर नए आर्थिक बोझ लादना।

संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि बिजली बिल में जोड़ी गई अतिरिक्त सुरक्षा निधि की वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए, पहले से जमा सुरक्षा निधि का हिसाब सार्वजनिक किया जाए तथा उपभोक्ताओं से ली जा रही अतिरिक्त राशि का औचित्य स्पष्ट किया जाए।

भाजपा सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ में बिजली जनता की सुविधा नहीं, बल्कि जनता की जेब से पैसा निकालने का माध्यम बन गई है। जनता अब इस बिजली लूट को बर्दाश्त नहीं करेगी और कांग्रेस उपभोक्ताओं के अधिकारों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी।

चिंतन-मनन

तपती धरती, बेबस इंसान और खामोश दुनिया

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश, भीषण गर्मी, सूखा, बाढ़ और विनाशकारी तूफान इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि आम आदमी के स्वास्थ्य, रोजगार, खेती, खाद्य सुरक्षा और जीवनयापन पर भी पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार गरीब और विकासशील देशों के लोग ही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। तुर्किये के अंताल्या में आयोजित कॉप-31 जलवायु सम्मेलन से एक बार फिर दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्सर्जन में कटौती, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन चर्चाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा? पिछले कई सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए गए, लेकिन कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और जलवायु वित्त की उपलब्धता जैसे मोर्चों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अब केवल घोषणाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत ने सम्मेलन में समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर देकर एक महत्वपूर्ण पक्ष रखा है। विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन किया है। ऐसे में विकासशील देशों पर समान जिम्मेदारी थोपना न्यायसंगत नहीं होगा। जलवायु न्याय की मांग है कि विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकारें और विकासशील देशों को तकनीक तथा पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं। भारत जैसे देशों के सामने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

इस संकट का सबसे भयावह पहलू इसकी मानवीय कीमत है। भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे काम करने वाला मजदूर, सूखे से जूझता किसान और पेयजल के लिए परेशान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन की वास्तविक मार झेल रहे हैं। गर्मी के कारण भारत में 2024 के दौरान 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट होने का अनुमान बताता है कि यह संकट अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए मौसम की मार केवल असुविधा नहीं, बल्कि रोजी-रोटी और जीवन के बीच संघर्ष बनती जा रही है।

इसलिए जलवायु नीति का केंद्र आम आदमी होना चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र और जल संरक्षण बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करना, किसानों को मौसम के अनुरूप तकनीक उपलब्ध कराना और श्रमिकों को गर्मी से सुरक्षा देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जवाबदेही भी है। कॉप-31 की असली सफलता समझौतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होगी। दुनिया को यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ टकराव में अंततः मानव सभ्यता ही पराजित होगी। अब समय संकल्प दोहराने का नहीं, उन्हें जमीन पर उतारने का है।

कड़वे वचन



बुजुर्गों से कहूंगा। तुम्हारा बेटा लायक है। भगवान करे और भी लायक बनें। अपने लायक बेटे को जीवन में अर्जित की सम्पत्ति को बेशक दे देना। मगर अपने लिए इतनी जरूर बचा लेना कि कल को तुम्हें उसके सामने हाथ न फैलाना पड़े। यह कलयुग है मेरे भाई ! लायक कब नालायक हो जाए कुछ पता नहीं अगर पुत्र मोह में सब लुटा बैठे तो आंसू बहाना तुम्हारी नियति बन जाएगी।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-12 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ

लॉटरी जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें शरीर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए

वृष — इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, च, के, को, ह

लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी गणेश जी का पूजन करें

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या — टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हरे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उन्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक — ते, तो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

उपेक्षित महसूस होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर — भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में दिया जलाएं

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

साहसिक भावना बढ़ेगी शहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?



कभी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी।

फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई च्शाहीद कावेहज पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है।

इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है।

इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है।

भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों में बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से बने उपकरण इस्तेमाल हो रहे हैं। विदेशी तकनीक अपने आप में खतरा नहीं, लेकिन उसके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा पर पूरा नियंत्रण न होना जोखिम जरूर है। बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क और सरकारी पोर्टल पहले ही साइबर हमलों का निशाना बन चुके हैं। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला भी इसकी चपेट में आ सकती है। बड़े सुपरमार्केट से लेकर कसाई की दुकानों और छोटे किराना कारोबारियों तक, इंटरनेट से जुड़े रेफ्रिजरेशन उपकरण साइबर हमले का रास्ता बन सकते हैं।

यहाँ सबसे अहम सवाल है–क्या तकनीकी सुविधा के साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है? दूर से मशीनें चलाना आसान है, लेकिन गलत हाथों में उनका नियंत्रण संकट बन सकता है। भारत को खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानना होगा। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेशन नियंत्रकों को सार्वजनिक इंटरनेट के बजाय सुरक्षित नेटवर्क से जोड़ा जाए। डिफॉल्ट पासवर्ड बदले जाएँ, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण अपनाया जाए, सॉफ्टवेयर अपडेट हों और तापमान में असामान्य बदलाव पर अलार्म बजे। मशीनों की डिजिटल और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे दुकानदारों के लिए भी सरल और किफायती साइबर सुरक्षा मानक लागू किए जाएँ।

इसके साथ स्वदेशी तकनीक और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आत्मनिर्भरता का मतलब केवल देश में मशीनें बनाना नहीं, बल्कि उनके सॉफ्टवेयर, सुरक्षा और आपातकालीन नियंत्रण की क्षमता भी अपने पास रखना है। भारतीय कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को मिलकर सुरक्षित औद्योगिक नियंत्रक विकसित करने चाहिए। खाद्य वितरण नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट और आपातकालीन अभ्यास भी जरूरी है। गोदाम का तापमान अचानक बदलने पर वैकल्पिक बिजली, स्थानीय नियंत्रण और खाद्य सामग्री को दूसरे स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यह चुनौती किसी एक देश तक सीमित नहीं है, क्योंकि साइबर हमलों की कोई सीमा नहीं होती। एक देश में बैठा हमलावर दूसरे देश के उपकरणों को निशाना बना सकता है और तीसरे देश की तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए भारत को फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों सहित समान सोच वाले राष्ट्रों के साथ साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान और औद्योगिक प्रणालियों की सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही, किसी देश पर लगे आरोप और अपराध की सिद्ध जिम्मेदारी में अंतर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय जाँच और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

फ्रांस के सुपरमार्केटों में बंद पड़े फ्रिज केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत हैं, जिसमें दुश्मन बिना सामने आए देश की व्यवस्था ठप कर सकता है। तकनीक सुविधा देती है, पर सुरक्षा के बिना कमजोरी बन जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा अब सेना, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों तक सीमित नहीं है। बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन और खाद्य भंडारण भी इसके अहम आधार हैं। जरूरी आपूर्ति प्रणालियाँ हमलावर के नियंत्रण में आएँ, तो संकट राष्ट्रीय बन जाता है। फ्रांस की घटना को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। कल तक दुश्मन जमीन पर हमला करता था, आज व्यवस्था में सेंध लगाकर थाली तक पहुँच सकता है। रसोई की सुरक्षा के बिना खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा अधूरी है।

–. आरके जैन च्चअरिजीतज्ञ

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है। हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है। मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

मास्टर प्लान-2047: कैचमेंट पर 6 हजार आपत्तियों से गरमाया माहौल

13,400 दावों पर 16 नवंबर से होगी सुनवाई

भोपाल, यशभारत। राजधानी के भविष्य को तय करने वाले भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर शहरवासियों की आपत्तियां और विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग द्वारा जारी किए गए इस ड्राफ्ट पर अब तक कुल 13,400 दावे-आपत्तियां दर्ज कराई जा चुकी हैं। इन गंभीर आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के लिए अब 16 नवंबर से आधिकारिक सुनवाई शुरू होगी, जिसे लेकर विभाग ने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है।



मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में सबसे बड़ा विवाद बड़े तालाब और अन्य जल स्रोतों के कैचमेंट एरिया को लेकर खड़ा हुआ है। इस मुद्दे पर अकेले 6 हजार से अधिक आपत्तियां सामने आई हैं। शहर के शहरी इलाकों के साथ-साथ नीलबड़, रातीबड़ और भौंरी जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के रहवासियों ने भी जल स्रोतों के दायरे में आने वाले प्रतिबंधों पर कड़ी आपत्ति जताई है। जानकारों का मानना है कि सुनवाई के दौरान यह मुद्दा सबसे संवेदनशील और मुख्य केंद्र रहेगा। ड्राफ्ट में आवासीय क्षेत्रों के भीतर व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दिए जाने के प्रावधान को लेकर भी रहवासियों में खासा रोष है। इस व्यवस्था के खिलाफ4 हजार से अधिक आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। लोगों का कहना है कि इससे रिहायशी इलाकों की शांति, ट्रैफिक व्यवस्था और बुनियादी सुविधाएं प्रभावित होंगी। इसके अलावा, डिजिटल माध्यम से भी 5 हजार से अधिक आपत्तियां ईमेल के जरिए प्राप्त हुई हैं, जो शहर के नागरिकों की इस योजना को लेकर गहरी चिंता को दर्शाती हैं।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला, कानूनी लड़ाई तेज

मास्टर प्लान के इन विवादित प्रावधानों के खिलाफ शहर के रहवासी पहले ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं, जहां मामला विचाराधीन है। इस कानूनी लड़ाई से जुड़े रहवासी विवेक त्रिपाठी का कहना है कि सुनवाई के दौरान वे अपना पक्ष पूरी मजबूती के साथ रखेंगे। साथ ही, क्षेत्र में हुए तमाम अवैध निर्माणों के दस्तावेज़ और तथ्य भी अदालत के सामने रखे जाएंगे, ताकि मास्टर प्लान के अंतिम स्वरूप पर मुहर लगने से पहले इन वास्तविक जमीनी हकीकत पर भी गंभीरता से विचार किया जा सके।

अब सुनवाई से तय होगी शहर की विकास दिशा

टीएंडसीपी द्वारा आज होने वाली बैठकों में इस पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। 16 नवंबर से शुरू होने वाली सुनवाई में आने वाले तर्क, विरोध के बिंदु और कानूनी पहलुओं के आधार पर ही यह तय होगा कि मास्टर प्लान के फाइनल ड्राफ्ट में क्या अहम बदलाव किए जाते हैं। बहरहाल, इन फैसलों पर पूरे भोपाल के रहवासियों की निगाहें टिकी हुई हैं।



गुनगा में शराब पीने को लेकर हुए विवाद के बाद

टंकी से कूदा युवक, मौत

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के गुनगा थाना क्षेत्र में घरेलू कलह और आपसी कहासुनी के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ शराब पीने की आदत को लेकर परिवार में उपजे विवाद से क्षुब्ध होकर 20 वर्षीय युवक शंकर लाल अहिरवार ने गांव के समीप स्थित पानी की टंकी से छलांग लगा दी। परिजन और भाई की तमाम मिन्नतों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका, और अस्पताल पहुँचने से पहले ही उसकी सांसे थम गईं।

जानकारी के अनुसार, शंकर के शराब पीने की बात को लेकर घर में परिजनों ने उसे समझाया और टोकना शुरू किया था। देखते ही देखते यह घरेलू कहासुनी बड़े विवाद में बदल गई। गुस्से में आकर शंकर घर से निकला और सीधे गांव के पास बनी पानी की ऊंची पानी की टंकी पर जा चढ़ा। घटना की भनक लगते ही परिजन और उसका भाई आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। भाई ने टंकी पर ऊपर चढ़कर शंकर से नीचे उतरने के लिए तमाम मिन्नतें कीं और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह जिद पर अड़ा रहा। इससे पहले कि परिजन या अन्य लोग उसे सुरक्षित नीचे उतार पाते, उसने नीचे छलांग लगा दी। गुनगा थाना प्रभारी रिंकू सिंह जाटव ने बताया कि शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद और शराब पीने को लेकर हुई खींचतान के बाद यह खौफनाक कदम उठाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस अचानक हुई दुर्घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में मातम व शोक की लहर दौड़ गई है।

दीपावली छठ पर भोपाल मंडल से चलेंगी 24 विशेष ट्रेनें

भोपाल, रानी कमलापति, बीना, गुना और इटारसी स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ाई, आरपीएफरखेगी निगरानी



भोपाल, यश भारत। दीपावली और छठ महापर्व पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने 24 विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों से यात्रियों को देश के प्रमुख शहरों और धार्मिक स्थलों तक आने जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही नियमित ट्रेनों में भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। रेलवे ने भोपाल रानी कमलापति बीना गुना और इटारसी सहित प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। आरपीएफऔर टिकट चेकिंग स्टाफप्लेटफॉर्म प्रवेश निकास द्वारों और स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी कर रहे हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन भी चालू रखी गई हैं। इससे अनारक्षित टिकट आसानी से मिल सकेंगे।

स्वच्छता रैंकिंग में पिछड़ने के दावों पर गरमाई सियासत कांग्रेस ने निगम को घेरा

निगम परिसर में झाड़ू लगाकर जताया विरोध, महापौर और अधिकारियों पर लगाए लापरवाही के आरोप

भोपाल,यश भारत।

कभी स्वच्छता के मामले में देशभर में अपनी पहचान बनाने वाले भोपाल की स्वच्छता रैंकिंग को लेकर सियासत तेज हो गई है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 में शहर की रैंकिंग गिरने के दावों के बीच कांग्रेस ने नगर निगम के खिलाफमोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव अमित शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों ने नगर निगम परिसर में झाड़ू लगाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने शहर की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए महापौर और निगम अधिकारियों पर लापरवाही तथा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि भोपाल की स्वच्छता पहचान को बनाए रखने में निगम नाकाम साबित हो रहा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था में सुधार शहर की बदहाल स्थिति पर जवाबदेही तय करने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि शहर की स्वच्छता को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा 20 दिसंबर को होगी आयोजित

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की तारीख घोषित कर दी है। मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा का आयोजन 20 दिसंबर 2026 को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 11 बजे से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने 10 नवंबर 2026 को जारी विज्ञप्ति में परीक्षा तिथि की जानकारी दी है।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र प्रवेश व्यवस्था और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देशों का इंतजार है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा आयोजन से संबंधित विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को सलाह है कि परीक्षा से जुड़ी आधिकारिक जानकारी और आगामी दिशा निर्देशों के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर नजर रखें।

ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश छात्रवृत्ति का मुद्दा संसद-विधानसभा में गूंजेगा

भोपाल,यश भारत।



मध्य प्रदेश में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति की 14 लंबित सीटों को लेकर ओबीसी संगठनों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी की है। संगठनों ने दोनों मुद्दों को संसद और विधानसभा में उठाने की मांग की है। आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव मंडल ने कहा कि सांसद चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात कर संसद में ओबीसी के अधिकारों का मुद्दा उठाने का आग्रह किया जाएगा। युवा प्रदेश अध्यक्ष अनिल गुर्जर ने आरक्षण से जुड़े मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की। ओबीसी महासभा के केपी कुरुमवंशी, कमलेन्द्र पटेल और रविन्द्र गुर्जर ने 14 लंबित छात्रवृत्ति सीटों पर नई रिक्तियां जारी करने से पहले निर्णय लेने की मांग की। वहीं जय मूवमेंट ओबीसी के संस्थापक लखपत गुर्जर ने चयन प्रक्रिया में कथित नियम बदलाव 25 प्रतिशत वेटेज और विद्यार्थियों से दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच की मांग की। संगठनों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मांगें रखने और समाधान नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

चाकूबाजी में घायल युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,यशभारत। अधारताल थाना क्षेत्र के न्यू कंचनपुर में पुरानी रंजिश के चलते हुई चाकूबाजी की वारदात में गंभीर रूप से घायल युवक ने आखिरकार दम तोड़ दिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कई दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे वैभव मेहता उर्फ चंदू की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी साहिल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 4 नवंबर की शाम करीब 7:45 बजे की है। वैभव मेहता उर्फ चंचू अपने दोस्त कुशाग्र यादव उर्फ पट्टू के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान न्यू कंचनपुर में साहिल गौतम उर्फ साहिल राजपूत के घर के सामने उसे रोक लिया गया। दोनों के बीच पहले से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई। विवाद के दौरान साहिल ने जेब से चाकू निकालकर वैभव की पीठ और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में वैभव गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हालत में गिर पड़ा। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी था। लेकिन गंभीर चोटों के चलते उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार के अनुसार, वैभव की उपचार के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने मामले में आरोपी साहिल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। युवक की मौत के बाद प्रकरण में नियमानुसार हत्या की धाराओं के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पार्किंग विवाद ने लिया हिंसक रूप, पत्थरबाजी

जबलपुर,यशभारत। ओमती थाना क्षेत्र के भरतीपुर में वाहन पार्किंग को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष में बदल गया। उड़िया और सोनकर समाज के लोगों के बीच कहासुनी के बाद दोनों तरफ से पत्थरबाजी किए जाने की खबर है। अचानक हुए इस घटनाक्रम से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। विवाद में कुछ लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के बाद आक्रोशित उड़िया और यादव समाज के लोग बड़ी संख्या में ओमती थाने पहुंच गए और जमकर विरोध जताया। लोगों ने विवाद में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों की शिकायतों पर जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्रीय निवासियों ने इलाके में लंबे समय से कथित रूप से चल रहे अवैध नशे के कारोबार पर भी सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नशे के अवैध कारोबार के कारण क्षेत्र में आए दिन विवाद और तनाव की स्थिति बनती रहती है। लोगों ने पुलिस से इस पर भी प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है। सीएसपी ने बताया कि उड़िया और सोनकर समाज के बीच विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंच गया था। विवाद में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। फरियादी पक्ष की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

कागजी दावों के बीच जलते खेत

जिले में पराली समेटने में लगेंगे 333 दिन

जिले में 1200 एकड़ प्रतिदिन की क्षमता और 4 लाख एकड़ से अधिक का रकबा

कैसे रुकेगी खेतों में आग ?

अजय पांडे

जबलपुर, यशभारत। देशभर में इन दिनों पराली प्रबंधन और उससे फैलने वाले प्रदूषण को लेकर गंभीर बहस छिड़ी हुई है। जिले में भी प्रशासन ने खेतों में आग न लगाने और पराली प्रबंधन के दावे किए हैं, लेकिन धरातल पर मौजूद आंकड़े इन दावों की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। प्रशासन की मौजूदा व्यवस्था और सीमित संसाधनों को देखते हुए यह साफ है कि किसानों के सामने मजबूरी के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

बड़े दावे और चौंकाने वाले आंकड़े

प्रशासन की योजना के अनुसार, पराली को खेतों में जलाने से रोकने का प्रमुख उपाय बायोप्लांट्स में इसका उपयोग करना है। इसके लिए बेलर मशीनों के जरिए पराली के गट्ठे (बेलर) बनाए जाते हैं और उनका उठाव किया जाता है।

- **जिले में सक्रिय मशीनें:** जबलपुर में इस समय 4 कंपनियां काम कर रही हैं, जिनके पास कुल लगभग 40 बेलर मशीनें हैं।
- **दैनिक क्षमता:** प्रत्येक बेलर मशीन की औसतन क्षमता 25 से 30 एकड़ प्रतिदिन पराली समेटने की है। इस हिसाब से सभी 40 मशीनें मिलकर प्रतिदिन अधिकतम 1200 एकड़ जमीन से ही पराली इकट्ठा कर सकती हैं।
- **वास्तविक रकबा:** सरकारी गिरदावली आंकड़ों के अनुसार ही जिले में लगभग 4 लाख एकड़ जमीन पर धान की बुवाई का आकलन दर्ज किया गया है, जबकि वास्तविकता इससे 10 से 20% अधिक है।



गणित जो प्रशासन के दावों को झुठलाता है

आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आती है।

- **333 दिनों का गणित:** यदि जिले के कुल रकबे का आकलन करें, तो 1200 एकड़ प्रतिदिन की क्षमता के हिसाब से पूरे रकबे की पराली समेटने में करीब 333 दिन (यानी लगभग पूरा साल) लग जाएंगे।
- **फसलों का चक्र:** जबलपुर के एक बहुत बड़े हिस्से में फसल चक्र बहुत तेजी से बदलता है। धान की कटाई के तुरंत बाद गेहूं, मटर या अन्य फसल की बुवाई होती है, और उसके तुरंत बाद उड़द व मूंग बोई जाती है। ऐसे में किसानों के पास एक-एक दिन की कीमत होती है। इतने कम समय में इन मशीनों के जरिए पराली का प्रबंधन होना तकनीकी रूप से असंभव है।

बायोप्लांट की क्षमता बनाम पराली की भारी मात्रा

संकट यहीं खत्म नहीं होता। रिलायंस के बायोफ्यूल प्लांट की सालभर की कुल क्षमता 60,000 टन की है, जबकि अकेले जबलपुर जिले में ही अनुमानित तौर पर 9 लाख टन पराली पैदा होती है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठता है कि न्यूनतम संसाधनों के सहारे शासन आखिर किसानों पर दबाव क्यों बना रहा है?



कृषि विभाग के विकल्प और किसानों पर आर्थिक बोझ

कृषि विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि किसान 'हैप्पी सीडर' या 'सुपर सीडर' जैसी मशीनों का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि:

* एक सामान्य सीडर की कीमत डेढ़ से दो लाख रुपये होती है।
* वहीं हैप्पी सीडर और सुपर सीडर की कीमत चार से पांच लाख रुपये के बीच है। किसानों का कहना है कि पहले से आर्थिक संकट और सीमित संसाधनों से जूझ रहे अन्नदाताओं पर यह अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालना कहां का न्याय है?



प्रशासनिक सुस्ती और किसानों के तीखे सवाल

जबलपुर के किसानों और जानकारों का आरोप है कि कृषि विभाग और प्रशासनिक अधिकारी केवल फसल कटाई के इस सीजन में चंद दिनों के लिए जागते हैं और बाकी चार महीने सो जाते हैं। यदि पराली का स्थायी प्रबंधन करना था, तो इसकी तैयारी महीनों पहले से होनी चाहिए थी। प्रशासन की ओर से कुछ बड़े किसानों के उदाहरण दिए जाते हैं जो 2-3 हजार एकड़ में आधुनिक प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन जिले के विशाल कृषि क्षेत्र में इक्का-दुक्का बड़े उदाहरणों से बात नहीं बनने वाली। किसानों की साफ मांग है कि यदि सरकार वास्तव में प्रदूषण रोकना चाहती है, तो उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, वरना सिर्फ प्रशासनिक डंडे और कागजी दावों से खेतों में आग लगने की घटनाओं को नहीं रोका जा सकता।

गौरा-गौरी विसर्जन में शामिल हुए मंत्री गजेन्द्र यादव दुर्गवासियों के साथ साझा की दीपावली की खुशियाँ

यश भारत



दुर्ग। दीपावली पर्व के उल्लास और छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपराओं के बीच स्कूगल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित गौरा-गौरी विसर्जन कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने कसारीडीह सिविल लाइन एवं डिपरापारा में आयोजित पारंपरिक गौरा-गौरी विसर्जन कार्यक्रम में सहभागिता कर पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किये।

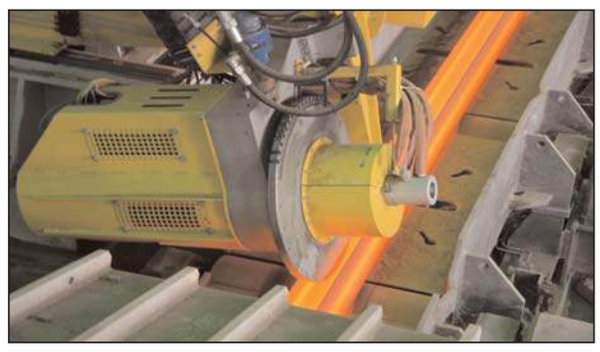
कसारीडीह सिविल लाइन से निकली पारंपरिक गौरा-गौरी विसर्जन यात्रा में शामिल होकर मंत्री यादव ने क्षेत्रवासियों के साथ इस पावन पर्व की खुशियाँ साझा कीं। वहीं डिपरापारा में आयोजित गौरा-गौरी विसर्जन कार्यक्रम में पूजा-अर्चना कर लोक आस्था और परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट किये। इस दौरान उन्होंने दुर्ग के परिवारजनों से भेंट-मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और सभी से मुलाकात किये।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि गौरा-गौरी पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपरा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे पारंपरिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करते हैं।

दीपावली जैसे पर्व अपनों के बीच खुशियाँ बाँटने, बड़ों का आशीर्वाद लेने और समाज के हर वर्ग के साथ आत्मीयता से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। मंत्री यादव ने कहा कि दुर्ग की पहचान यहां की जीवंत सामाजिक परंपराओं, सांस्कृतिक आयोजनों और आपसी आत्मीयता से है। दीपावली के अवसर पर शहर के विभिन्न मोहल्लों में आयोजित गौरा-गौरी पर्व में लोगों का उत्साह, श्रद्धा और सहभागिता हमारी लोकसंस्कृति की मजबूती को दर्शाती है। जनप्रतिनिधि के रूप में ऐसे आयोजनों में शामिल होकर अपने परिवारजनों के बीच समय बिताना और उनकी खुशियों में सहभागी बनना उनके लिए सदैव विशेष अनुभूति का विषय है। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह, बड़ों का आशीर्वाद और क्षेत्रवासियों का विश्वास ही जनसेवा के संकल्प को निरंतर मजबूती प्रदान करता है।

यूआरएम ने एक दशक में रचा सफलता का नया अध्याय, रेल उत्पादन 9.11 लाख टन पहुंचा

यश भारत





भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) ने दिसंबर 2016 में उत्पादन शुरू करने के बाद एक दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आधुनिक तकनीक, नवाचार और कर्मियों के सामूहिक प्रयासों से मिल ने उत्पादन और गुणवत्ता के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वित्त वर्ष 2018-19 में यूआरएम का प्राइम रेल उत्पादन 3.69 लाख टन था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 9.11 लाख टन हो गया। वहीं प्राइम एक्सेप्टेंस स्तर 85 प्रतिशत से बढ़कर 96 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कुल उत्पादन में 130 मीटर लंबी रेल की हिस्सेदारी भी 12.59 प्रतिशत से बढ़कर 73.87 प्रतिशत हो गई है।

मिल में तकनीकी सुधार, ऑटोमैटिक रेल आईडी प्रिंटिंग, री-फिनिशिंग कॉम्प्लेक्स और रेल वेल्डिंग लाइन के उन्नयन से उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता को मजबूती मिली है। अब तक यूआरएम लगभग एक लाख किलोमीटर लंबी रेल का डिस्पैच कर चुका है। यह उपलब्धि भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की तकनीकी दक्षता और निरंतर सुधार के प्रयासों को दर्शाती है।

काली मंदिर में अरुण वोरा ने की पूजा-अर्चना, शहरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना



यश भारत

दुर्ग। गोवर्धन पूजा के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने बरईपारा स्थित काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर शहरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पर्व उत्सव समिति की ओर से दशहरा महोत्सव आयोजन के सम्मान स्वरूप उन्हें एल्बम भेंट किया गया।

मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी समिति के सचिव नंदू महोबिया ने दी। उन्होंने बताया कि समिति के आजीवन अध्यक्ष डॉ. जगदीशचंद्र मिश्रा और आजीवन संरक्षक मोतीलाल वोरा की कल्पना के अनुरूप काली मंदिर परिसर को धार्मिक धाम के रूप में विकसित किया जा रहा है। परिसर में भगवान ब्रह्मा, विष्णु, महेश, सप्तऋषि, कालभैरव, गौमाता, संतोषी माता, मां बम्लेश्वरी, हनुमान जी, सत्य साईं बाबा सहित विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के लिए छत एवं गुंबद निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस दौरान समिति सचिव नंदू महोबिया, सुनील महोबिया, हरीश ताम्रकार सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

महिला बास्केटबॉल टीम अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता के लिए त्रिपुरा रवाना



अम्बिकापुर। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अम्बिकापुर की महिला बास्केटबॉल टीम अंतरविश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए त्रिपुरा रवाना हो गई है। ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 नवंबर से 15 नवंबर तक त्रिपुरा विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के लिए संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की टीम में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ की 12 महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ियों में साक्षी तिर्की, प्रीति मिंज, सुष्मिता चौहान, रिमझिम मिश्रा, संशिता एक्का, हिमांशी सिंह, आकांक्षा किस्पोट्टा, श्रेया दास, रिबिका लकड़ा, प्रिया जायसवाल, कुमकुम पैकरा एवं सोनाली तिर्की शामिल हैं। इस प्रतियोगिता के लिए के. आर. टेक्निकल कॉलेज के क्रीड़ाधिकारी रजत सिंह को टीम कोच तथा होली क्रॉस कॉलेज की क्रीड़ाधिकारी राधा खलखो को टीम मैनेजर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की महिला बास्केटबॉल टीम ने ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया था और ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाईंग किया था। इस वर्ष भी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

भिलाई नगर निगम चुनाव से पूर्व महत्वपूर्ण फाइलों का जलना गंभीर विषय, निष्पक्ष जांच होनी चाहिए : डॉ. प्रदीप चौधरी



भिलाई। नगर निगम चुनाव से ठीक पहले नगर निगम की महत्वपूर्ण फाइलों का जलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं गंभीर चिंता का विषय है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर फाइलें जली हैं या जानबूझकर जलाई गई हैं? इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच होना अनिवार्य है। चिंता का विषय यह भी है कि जिन फाइलों के जलने की बात सामने आ रही है, उनमें कथित अनियमितताओं, भ्रष्टाचार एवं अन्य महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित दस्तावेज शामिल होने की आशंका है। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी है कि इन फाइलों में कौन-कौन से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड थे और उनके नष्ट होने से किसे लाभ पहुंच सकता है। जनता के सामने सच्चाई आनी चाहिए। इस घटना के पीछे यदि किसी प्रकार की साजिश या जानबूझकर सबूत मिटाने का प्रयास हुआ है, तो उसके जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। भिलाई की जनता को यह जानने का पूरा अधिकार है कि नगर निगम में क्या हुआ, किसने किया और किसे बचाने के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट हुए।इसलिए मेरी मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, जली हुई फाइलों का फॉरेंसिक परीक्षण हो तथा डिजिटल रिकॉर्ड और बैकअप के माध्यम से दस्तावेजों को पुनः प्राप्त करने का प्रयास किया जाए। जांच की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

मोती ज्वेलर्स में चोरी

जगदलपुर। शहर के पैलेस रोड स्थित मोती ज्वेलर्स में दीपावली की पूर्व संध्या पर सोने के आभूषणों से भरा डिब्बा गायब होने के मामले में पुलिस की जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने एक स्कॉर्पियो और एक ऑटो रिक्शा भी जब्त किया है। हालांकि, पुलिस की ओर से अब तक इन जानकारियों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीपावली की पूर्व संध्या पर पैलेस रोड के बाजार में भीड़ थी। इसी दौरान कुछ लोग ग्राहक बनकर मोती ज्वेलर्स पहुंचे। उन्होंने दुकान के कर्मचारियों से सोने के आभूषण दिखाने को कहा। इसी बीच आभूषणों से भरा एक डिब्बा गायब हो गया। दुकान की ओर से मामले की जानकारी पुलिस को दिए जाने के बाद जांच शुरू की गई। पुलिस ने दुकान और आसपास के सीसीटीवी फुटेज के साथ संदिग्ध गतिविधियों तथा आवागमन के साधनों की जांच की। सूत्रों के मुताबिक, इसी जांच के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। एक स्कॉर्पियो ऑटो रिक्शा जब्त किए जाने की भी जानकारी है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गए तीन युवक, एक ने किया दुष्कर्म, हिरासत में

दुर्ग। जिले के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तीन युवक नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। इस दौरान उनमें से एक युवक ने बालिका के साथ दुष्कर्म किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की। विवेचना के दौरान तीनों युवकों की संलिप्तता सामने आने पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कुडो इंटरनेशनल टूर्नामेंट में दम दिखाएंगे दुर्ग के 95 खिलाड़ी, अहमदाबाद रवाना

यश भारत



दुर्ग। गुजरात के अहमदाबाद में 12 से 19 नवंबर तक आयोजित होने वाली 18वीं अभिनेता अक्षय कुमार कुडो इंटरनेशनल टूर्नामेंट, 17वीं कुडो नेशनल एवं 7वीं फेडरेशन कप प्रतियोगिता में हिस्सा लेने दुर्ग जिले के 95 खिलाड़ी 11 नवंबर को अहमदाबाद के लिए रवाना हुए।

प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। छत्तीसगढ़ से कुल 150 खिलाड़ी और 12 ऑफिशियल सहित 162 सदस्यीय दल प्रतियोगिता में शामिल हो रहा है। इनमें अकेले दुर्ग जिले के 95 खिलाड़ी हैं।

रवाना होने से पहले दुर्ग के नाना-नानी पार्क में खिलाड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर प्रदेश कुडो संघ की चेयरमैन अनुराधा सिंह, अध्यक्ष आशीष सुराना, महासचिव राजा कौशल, समाजसेवी संतनु व्यास, अजित गुप्ता और वार्ड 44 के पार्षद मनीष कोठारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बेहतर प्रदर्शन और पदक जीतकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई। यह जानकारी दुर्ग जिला कुडो संघ की सचिव लीलिमा सोनी कौशल ने दी।

पुश्तैनी जमीन पर पोतियों को मिलेगा सिर्फ एक तिहाई हिस्सा

.हाईकोर्ट ने बदला निचली अदालत का फैसला, 13.40 एकड़ जमीन का मामला

यश भारत



बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पुश्तैनी कृषि भूमि के मालिकाना हक को लेकर अहम फैसला सुनाया है। बिलासपुर जिले के नवागांव की 13.40 एकड़ जमीन के मामले में कोर्ट ने पांच पोतियों का अधिकार पूरी जमीन के बजाय सिर्फ एक तिहाई हिस्से तक सीमित कर दिया है। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को संशोधित किया, जिसमें पोतियों को पूरी जमीन का मालिक माना गया था।

वसीयत के आधार पर जताया था पूरा दावा

मामला कोटा तहसील के नवागांव स्थित खसरा नंबर 1141 की जमीन से जुड़ा है। यह संपत्ति केनाराम बैरागी की थी। उन्होंने 25 जनवरी 2003 को पंजीकृत वसीयत के जरिए अपनी संपत्ति बेटे संजय बैरागी के नाम कर दी थी। केनाराम की मृत्यु के बाद जमीन के नामांतरण को लेकर उनके बेटे और चार बेटियों के बीच विवाद हुआ। संजय की मृत्यु के बाद उनकी पांच बेटियों ने मामा के माध्यम से अदालत में दावा किया कि जमीन पर उनका मालिकाना हक है। वहीं, केनाराम की बेटियों ने कहा कि जमीन संयुक्त पारिवारिक कारोबार और होटल की कमाई से खरीदी गई थी।

हाईकोर्ट ने वसीयत को माना वैध

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि केनाराम की वसीयत विधिवत पंजीकृत और प्रमाणित थी। उसे फर्जी या दबाव में तैयार किया गया साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले। हालांकि, जमीन को केनाराम की स्वयं अर्जित संपत्ति भी साबित नहीं किया जा सका। साक्ष्यों के मुताबिक, इसे संयुक्त पारिवारिक संपत्ति की बिक्री से मिली रकम से खरीदा गया था।

ऐसे तय हुआ एक तिहाई हिस्सा

कोर्ट ने माना कि केनाराम के बेटे और चार बेटियों के बीच संपत्ति के छह बराबर हिस्से बनते हैं। इसमें केनाराम का हिस्सा एक छठा था। वसीयत से यह हिस्सा संजय को मिला। संजय का अपना एक छठा हिस्सा मिलाकर उनका कुल अधिकार एक तिहाई हुआ। उनकी मृत्यु के बाद यह हिस्सा पांचों बेटियों को उत्तराधिकार में मिला। हाईकोर्ट ने इसी आधार पर पांचों पोतियों का दावा एक तिहाई हिस्से तक सीमित कर दिया। शेष दो तिहाई हिस्से पर केनाराम की चारों बेटियों का अधिकार रहेगा।

विधायक के नंबर से मांगे जा रहे पैसे

यश भारत





कांकेर। आशा राम नेताम का मोबाईल हैक का मामला सामने आने के बाद कांकेर विधानसभा क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। कांकेर विधायक आशाराम नेताम साइबर हमले का शिकार हो गए हैं।

हैकरों ने उनका मोबाइल फोन और व्हाट्सएप हैक कर लिया है, जिसके बाद उनके आधिकारिक नंबर से क्षेत्र के लोगों और जान-पहचान वालों को पैसे मांगने वाले मैसेज भेजे जा रहे हैं।

विधायक ने खुद दी जानकारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक आशाराम नेताम ने तुरंत इसकी जानकारी सार्वजनिक की। उन्होंने लोगों से अपील की है कि उनके मोबाइल नंबर से पैसे मांगने वाले किसी भी मैसेज या कॉल पर ध्यान न दें और कोई भी पैसों का लेनदेन बिल्कुल न करें।

घटना के बाद पुलिस और साइबर सेल मामले की जांच में जुट गई है, ताकि हैकरों का पता लगाया जा सके। विधायक ने जनता से सतर्क और सावधान रहने का आग्रह किया है, ताकि कोई भी इस साइबर ठगी का शिकार न बने।

अगर किसी जान-पहचान वाले या नेता के नंबर से अचानक पैसे मांगने का मैसेज आए, तो पैसे भेजने से पहले उनसे सीधे फोन पर या आमने-सामने बात कर पुष्टि जरूर करें। व्हाट्सएप पर टू-स्टेप वेरिफिकेशन चालू रखें और किसी के साथ OTP साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं। जल्दी शिकायत करने पर पैसे वापस मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

शुरुआती 2 महीने बेहद मुश्किल थे, टीम इंडिया से बाहर होने पर छलका
सूर्यकुमार यादव का दर्द



मुंबई, यशभात। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ङ्ग20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि, इस खिताब जीत के बाद सूर्यकुमार को न केवल कप्तानी गंवानी पड़ी, बल्कि टीम से भी बाहर कर दिया गया। सूर्या के लिए ये एक बड़ा झटका था, जिसको लेकर अब उन्होंने बड़ा बयान दिया है। सूर्यकुमार ने अब पहली बार खुलकर बताया है कि टीम से बाहर होने के बाद उनके लिए शुरुआती दो महीने कितने मुश्किल रहे। हालांकि, इस दौर में उनकी जिंदगी में एक बड़ी खुशी भी आई। मई में बेटी के जन्म के बाद उनका पूरा ध्यान परिवार की ओर चला गया। अब सूर्या ने बताया है कि वह एक बार फिर उसी जुनून के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी।

सूर्यकुमार यादव ने टी20 मुंबई लीग के सेलिब्रेशन ऑफ चैंपियंस कार्यक्रम में अपने मुश्किल दौर पर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि ङ्ग20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम से बाहर होना उनके लिए काफी कठिन रहा। सूर्या ने कहा कि ङ्ग20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद का समय थोड़ा मुश्किल रहा है। वह इस सच्चाई से मुंह नहीं छिपाना चाहते। अगर आप खुद के साथ ईमानदार नहीं हैं, तो खुशहाल जिंदगी जीना बहुत मुश्किल है।

टीम से बाहर होना बहुत मुश्किल

उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो टीम का हिस्सा नहीं होना बहुत मुश्किल रहा है। लेकिन इसी दौरान ढ्ढक्रके समय मई में उन्हें बेटी के रूप में बड़ी खुशी मिली। उनका पूरा ध्यान उसकी तरफ चला गया। उसके जन्म के बाद के पिछले कुछ महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। हालांकि, शुरुआती दो महीने बहुत मुश्किल थे। फिर उन्होंने सोचा कि क्यों न दोबारा वैसा ही सोचना शुरू करूं, जैसा वह पहले सोचा करता थे। जब उन्होंने क्रिकेट शुरू किया था, तब वह सिर्फ यही सोचते थे कि मुंबई के लिए एज-ग्रुप क्रिकेट खेलूं और फिर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करूं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में करेंगे कप्तानी



सूर्यकुमार ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ ङ्ग20 वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। उस मैच में भारत ने 96 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। अब वह आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करते नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट के जरिए सूर्या लय हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे।

आईपीएल 2027 से पहले बहुत बड़ा ऐलान, हार्दिक पांड्या की बदली टीम

मुंबई इंडियंस को छोड़कर अब पंजाब किंग्स के खेमे में शामिल

मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 से पहले एक और बड़ा ऐलान हो गया है। जिस ट्रेड को लेकर पिछले काफी दिन से चर्चा चल रही थी, आखिरकार उसने अंतिम रूप ले लिया है। हार्दिक पांड्या अब मुंबई इंडियंस को छोड़कर नई टीम में चले गए हैं। उनकी नई टीम अब पंजाब किंग्स होगी, हालांकि इसको लेकर अभी सस्पेंस है कि क्या वे पंजाब के नए कप्तान बनेंगे या फिर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ही खेलते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही अर्शदीप सिंह अब पंजाब किंग्स का हिस्सा नहीं रहे हैं, वे मुंबई इंडियंस चले गए हैं। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस को छोड़कर अब पंजाब किंग्स के खेमे में शामिल हो गए हैं। एमआई और पीबीकेएस के बीच बड़ी डील हो गई है, इसका अब आधिकारिक ऐलान भी कर दिया गया है। दोनों टीमों के बीच एक एक खिलाड़ी की अदला बदली हुई है। हार्दिक पांड्या मुंबई से पंजाब चले गए हैं, वहीं अर्शदीप सिंह पंजाब को छोड़कर मुंबई चले गए हैं। दोनों प्लेयर्स की सैलरी का भी ऐलान कर दिया गया है। हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस में 16.35 करोड़ रुपये मिल रहे थे, लेकिन अब जब वे पंजा? किंग्स चले गए हैं तो उनकी सैलरी बढ़कर 18 करोड़ रुपये हो गई है। अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस में 18 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

दूसरी बार छूटा है हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस से साथ- मुंबई इंडियंस से ही अपने आईपीएल करियर का आगाज करने वाले हार्दिक पांड्या ने दूसरी बार अपनी टीम छोड़ी है। साल 2015 में हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ पहली बार नजर आए थे। इसके बाद वे साल कई साल तक टीम के साथ खेलते हुए दिखाई दिए। साल 2022 के आईपीएल से पहले अचानक टीम ने मुंबई इंडियंस ने उन्हें रिलीज कर दिया और वे सीधे गुजरात टाइटंस चले गए और वहां की कप्तानी भी की। खास बात ये रही कि पहली ही बार में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने आईपीएल का खिताब भी अपने नाम कर लिया। इसके बाद वे साल 2023 में भी अपनी टीम को फाइनल तक ले जाने में कामयाब रहे। लेकिन साल 2024 में वे वापस मुंबई इंडियंस आ गए। इस बार रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक को टीम का नया कप्तान बनाया गया, लेकिन टीम का प्रदर्शन तब से लेकर अब तक लगातार खराब ही रहा।



श्रेयस अय्यर हैं अभी पंजाब किंग्स के कप्तान- पंजाब किंग्स की कप्तानी इस वक्त श्रेयस अय्यर कर रहे हैं, जो भारत की टी20 टीम के भी कप्तान हैं। अभी तक पंजाब की ओर से श्रेयस अय्यर को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया है, ऐसे में देखना यही होगा कि हार्दिक पांड्या टीम के लिए क्या केवल खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगे या फिर उन्हें कोई और भूमिका भी दी जाएगी।

अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस में मिलेंगे 18 करोड़ रुपये

बात अगर अर्शदीप सिंह की करें तो उनके बारे में हमने आपको पहले ही बताया कि मुंबई इंडियंस में उन्हें 18 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। साल 2019 में पहली बार अर्शदीप सिंह की आईपीएल में पंजाब किंग्स से ही एंट्री हुई थी, तब से लेकर अब तक वे इसी टीम के लिए खेल रहे थे। इस दौरान पिछले आठ सीजन में अर्शदीप सिंह ने टीम के लिए 96 मैच खेलकर 111 विकेट अपने नाम किए हैं। खास बात ये है कि वे पंजाब के लिए अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। अब दोनों खिलाड़ी नई टीम के साथ अगले सीजन नजर आएंगे, उसमें दोनों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन के कारण कोच कैरिक को हटा सकता है मैनचेस्टर यूनाइटेड



लंदन (ईएमएस)। प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम के मुख्य कोच माइकल कैरिक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। क्लब प्रबंधन प्रीमियर लीग में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके विकल्प की तलाश में है, जिसने टीम रेलीगेशन जोन में आ गयी है लगातार खराब परिणामों के चलते कैरिक के कार्यकाल पर सवाल उठने लगे है। पिछले सप्ताहांत एस्टन विला के साथ 4-4 के ड्रॉ के बाद, मैनचेस्टर 18वें स्थान पर खिसक गया है, जो सबसे निचले क्लब क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक ऊपर है। यह स्थिति पिछले शनिवार को नॉटिंघम फॉरेस्ट द्वारा मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 की जीत के बाद और भी गंभीर हो गई, जिसने यूनाइटेड को सीधे रेलीगेशन के खतरे में डाल दिया। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के अनुसार कोच को हटाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है पर कहा जा रहा है कि संकेत मिलने लगे हैं। वहीं इस मामले की एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित प्रतिस्थापन पर काम शुरू हो चुका है और लिवरपूल के खिलाफ 13 दिनों में होने वाले अहम मुकाबले से पहले ही बदलाव किया जा सकता है। कैरिक के भविष्य पर अंतिम फैसला क्लब के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ और बहुमत के मालिक ग्लेजर परिवार की मंजूरी के बाद ही होगा। गौरतलब है कि कोच पद के लिए कई बड़े नाम दौड़ में हैं। यूनाइटेड स्टेट्स के मौजूदा मुख्य कोच मौरिसियो पोचेतीनो प्रमुख उम्मीदवारों में से एक माने जा रहे हैं। अगस्त में उन्होंने यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध का विस्तार किया था पर यह माना जाता है कि उस डील में ऐसी शर्तें शामिल हैं जो उन्हें विशेष नौकरियों के लिए जाने की अनुमति देंगे। कहा जा रहा है कि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व मुख्य कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन भी कैरिक की जगह ले सकते हैं। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का स्थायी मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। जनवरी में जब वह अंतरिम हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उनका कार्यकाल बेहद सफल रहा था। उन्होंने 16 में से 11 गेम जीते थे और यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया था, जो उनके आने के बाद से प्रीमियर लीग में सबसे अधिक अंक जमा करने का रिकॉर्ड था। लेकिन घरेलू फॉर्म का वह सिलसिला मौजूदा अभियान में जारी नहीं रह पाया है। यूनाइटेड ने अपने शुरुआती 10 प्रीमियर लीग गेम में से केवल एक जीता है और ब्राइटन एंड होव एल्बियन से काराबाओ कप से भी बाहर हो गया है।

आर्यवीर सहवाग ने 160 रन ठोकने के बाद खोला राज, कहा- किसी से बड़ा वादा किया था



नई दिल्ली। वीरेंद्र सहवाग नाम की चर्चा जब भी होती है, तो फैंस के जेहन में तूफानी बल्लेबाजी की तस्वीर उभर आती है। वीरेंद्र सहवाग ने अपने पूरे करियर में गेंदबाजों की जमकर खबर ली। अब उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 19 एशिया कप 2026 में कमाल कर दिया। श्र के खिलाफ अहम मैच में आर्यवीर ने बल्ले से जमकर कहर बरपाया, जिसका विपक्षी गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद आर्यवीर ने अपनी इस बड़ी पारी के पीछे का राज भी बताया। दरअसल, आर्यवीर ने खुलासा किया कि श्र के खिलाफ उतरने से पहले उन्होंने किसी से बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था। मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। पिच थोड़ी टर्न कर रही थी। उन्होंने शुरुआत में ही तय कर लिया था कि लंबी बल्लेबाजी करूंगा और करीब 40 ओवर तक क्रीज पर टिके रहने की कोशिश करूंगा। पिच पर चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने डॉट बॉल की चिंता नहीं की। उन्हें पता था कि वह बाद में इसकी भरपाई कर लेंगे।

पिता से किया वादा निभाया

उन्होंने आगे कहा कि वह बड़ा स्कोर बनाना चाहते थे। उन्होंने आज किसी से बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था और शुक्र है कि वह ऐसा कर पाये।

रंग संसार

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान



मुंबई (यशभारत)। 45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा



करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं।

जैकी चैन की नकल करने में कमल हासन को हुए थे 32 फैक्चर



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया। दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।





बिना बुलेट प्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

मुंबई (यशभारत)। अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि प्रशंसकों की ओर से उन्हें इतने उपहार मिल रहे हैं कि उन्हें रखने के लिए जगह ढूंढ़ना मुश्किल हो रहा है।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

मुंबई (यशभारत)। लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं।

प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं।

इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं



फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। र्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।

अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।

जनजातीय गौरव दिवस पर 15 नवंबर से छत्तीसगढ़ में शुरू होगा धान खरीदी का महाअभियान

उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की तैयारियां पूरी पर्याप्त बारदाने के साथ किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित

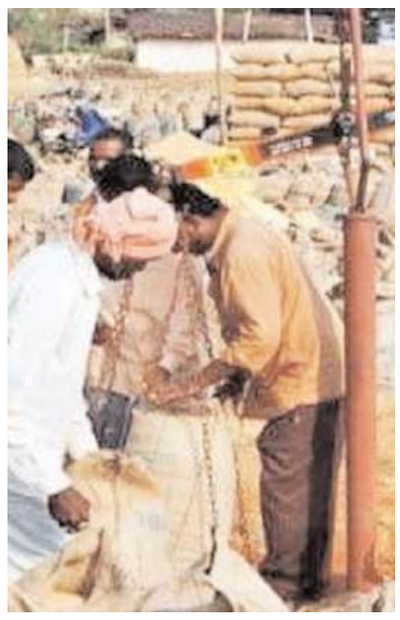
डिजिटल व्यवस्था से पारदर्शिता पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के हितों को प्राथमिकता, बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन

यश भारत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अन्नदाता किसानों की मेहनत को उचित मूल्य और सम्मान देने के संकल्प के साथ आगामी 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रदेशव्यापी धान खरीदी का महाअभियान प्रारंभ होने जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष प्रदेश के 27 लाख 50 हजार से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी की जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में 3100 धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी को सुचारु, व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। धान उपार्जन केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदानों की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन, धान की गुणवत्ता जांच के उपकरण, सुरक्षित भंडारण तथा परिवहन संबंधी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी गई है। किसानों के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, छाया एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि धान विक्रय



के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धान खरीदी को किसानों के आर्थिक हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान बताते हुए अधिकारियों को व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन तथा कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी के प्रशासनिक समन्वय में संबंधित विभागों द्वारा किसानों की सुविधा और कृषि हितों को प्राथमिकता दी जा रही है।

इस वर्ष 360 नए धान उपार्जन केंद्र प्रारंभ किए जा रहे हैं जिससे प्रदेश में खरीदी केंद्रों की कुल संख्या 3100 हो जाएगी। नए केंद्रों के खुलने से किसानों को अपने नजदीकी उपार्जन केंद्रों में धान बेचने की सुविधा मिलेगी। इससे परिवहन दूरी और समय की बचत के साथ खरीदी केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ कम करने में भी मदद मिलेगी। धान खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए राज्य सरकार ने किसानों को महत्वपूर्ण राहत दी है। पिछले वर्ष पंजीकृत ऐसे किसान, जिनकी एग्रीस्टैक आईडी उपलब्ध है, उन्हें दोबारा पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। धान विक्रय के समय समिति में ऋण पुस्तिका लाने की अनिवार्यता भी समाप्त की गई है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से कृषि रकबे का ऑनलाइन निर्धारण तथा बायोमेट्रिक आधारित खरीदी व्यवस्था से पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में धान खरीदी केवल कृषि उपज के विपणन की व्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाला प्रमुख माध्यम भी है। बीते तीन खरीफ विपणन वर्षों में प्रदेश में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। वर्ष 2023-24 में 144.92 लाख मीट्रिक टन, वर्ष 2024-25 में 149.25 लाख मीट्रिक टन तथा वर्ष 2025-26 में लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया।

सुगम खरीदी व्यवस्था आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार

प्रदेश के लगभग 40 लाख कृषक परिवारों की आजीविका से जुड़ी कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों के लिए धान का उचित मूल्य और सुगम खरीदी व्यवस्था आर्थिक सुरक्षा का प्रमुख आधार है। जनजातीय गौरव दिवस पर प्रारंभ होने वाला धान खरीदी का यह महाअभियान अन्नदाता के सम्मान, कृषि समृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य, सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था और पारदर्शी प्रक्रिया उपलब्ध कराने के प्रयासों के साथ छत्तीसगढ़ एक बार फिर व्यापक धान उपार्जन अभियान के लिए तैयार है।

मातर तिहार हमारी संस्कृति, परंपरा और गौसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक : गजेन्द्र यादव

मातर तिहार पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया विधिवत गौ पूजन, प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

यश भारत

रायपुर। मातर तिहार के अवसर पर आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान के साथ गौमाता का पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में उन्होंने पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी और विधिवत पूजा-अर्चना की।

मंत्री यादव ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, सामाजिक एकजुटता और गौवंश के प्रति सम्मान एवं सेवा का भाव सिखाता है। यादव समाज की परंपरा में



गौसेवा और गौपालन का विशेष महत्व रहा है। गौमाता हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि संस्कृति और जनजीवन का अभिन्न अंग हैं। उनकी सेवा और संरक्षण हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मंत्री यादव ने कहा कि यादव समाज में मातर तिहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान, पूर्वजों की परंपराओं और गौवंश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस पर्व पर पारंपरिक दोहे गाकर सोहाई बांधने और सामूहिक रूप से गौपूजन करने की परंपरा हमारी लोकसंस्कृति की जीवंतता को दर्शाती है।

मंत्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, लोकपरंपराओं और गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी इन परंपराओं से जोड़ना चाहिए, ताकि हमारी संस्कृति और सामाजिक मूल्य निरंतर आगे बढ़ते रहें।

कन्हैया लाल बाजारी वार्ड में खराब चावल वितरण का मामला उजागर, जनप्रतिनिधियों ने किया औचक निरीक्षण

यश भारत

रायपुर। राजधानी रायपुर के कन्हैया लाल बाजारी वार्ड क्रमांक 15, गुढ़ियारी स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान जय मां शारदा (दुकान क्रमांक - 441001018) में हितग्राहियों को बेहद खराब गुणवत्ता का चावल वितरित किए जाने की शिकायत सामने आई है।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए आजाद गुर्जर, मंडल अध्यक्ष विनय जैन एवं वार्ड के छाया पार्षद शुभम यादव, देव नगरिया द्वारा दुकान का अचानक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वितरित किए जा रहे चावल की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न उपलब्ध कराना प्रशासन एवं संबंधित उचित मूल्य दुकान



संचालक की जिम्मेदारी है। हितग्राहियों के अधिकारों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित खाद्य विभाग एवं प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर उचित कार्रवाई करने तथा हितग्राहियों को अच्छी गुणवत्ता का चावल उपलब्ध कराने की मांग की।

निर्माण जशपुर ऐप की कार्यप्रणाली का केंद्रीय टीम ने किया स्थल निरीक्षण

उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के संकलन के तहत टीम ने परखी डिजिटल पहल की उपयोगिता

यश भारत

जशपुरनगर। भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय के निदेशक पार्थसारथी भास्कर देवरकोंडा एवं राष्ट्रीय सुशासन केंद्र के यंग प्रोफेशनल्स की टीम ने विगत दिवस जशपुर जिला प्रशासन की अभिनव पहल निर्माण जशपुर' ऐप का स्थल निरीक्षण किया। यह निरीक्षण लोक प्रशासन में उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के संकलन के उद्देश्य से किया गया।

इस दौरान कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार ने टीम को 'निर्माण जशपुर' ऐप की कार्यप्रणाली, विशेषताओं एवं उपयोगिता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात टीम



ने जिले में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों के स्थलों का भ्रमण किया और मौके पर ऐप के माध्यम से की जा रही निगरानी एवं उसके जमीनी क्रियान्वयन का अवलोकन किया।

उल्लेखनीय है कि निर्माण जशपुर' एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से जिले में संचालित निर्माण कार्यों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाती है। इस ऐप के जरिए निर्माण कार्यों की प्रगति पर सतत निगरानी रखने, कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा समयबद्ध क्रियान्वयन को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। जिला प्रशासन की इस अभिनव डिजिटल पहल को उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025-26 से भी सम्मानित किया जा चुका है।

ग्राम मांढर में विधायक अनुज शर्मा ने की गोवर्धन गौ पूजा, क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर। आज गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर ग्राम मांढर में गोवर्धन पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा ने समस्त ग्रामवासियों के साथ सम्मिलित होकर भगवान गोवर्धन नाथ एवं गौ-माता की पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की निरंतर उन्नति, सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की ईश्वर से प्रार्थना की।

कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा के आगमन पर ग्रामवासियों ने उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। ग्रामीणों द्वारा तिलक लगाकर, साफा पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल और लोक-संस्कृति के रंगों में रंगा नजर आया।

पूजा-अर्चना के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित



करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने सभी को गोवर्धन पूजा और दीपावली महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल एक पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी समृद्ध सनातन परंपरा, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का प्रतीक है। भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर हमें यह संदेश दिया था कि हमारी जीवनदायिनी प्रकृति, पर्वत, नदियाँ और गौ-धन ही हमारी असली संपदा हैं। गौ-माता हमारे समाज की रीढ़ हैं। गौ-सेवा से बढ़कर कोई पुनित कार्य नहीं है। आज के इस शुभ अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम अपनी संस्कृति, अपनी मिट्टी और अपनी गौ-माता की रक्षा व सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

मैं भगवान गोवर्धन नाथ जी से प्रार्थना करता हूँ कि ग्राम मांढर के हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का वास हो। हमारे किसान भाइयों के खेत सदा हरे-भरे रहें और हमारा गांव प्रगति और खुशहाली के नए आयाम छुए। आपके सुख-दुख में आपका यह भाई, आपका यह सेवक सदैव आपके साथ खड़ा रहेगा।जिस आत्मीयता, अपार स्नेह और पारंपरिक रूप से आप सभी ने मेरा भव्य स्वागत किया है, उसके लिए मैं मांढर के एक-एक ग्रामवासी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

गांव की विकास योजनाओं पर चर्चा

पूजा कार्यक्रम के पश्चात विधायक अनुज शर्मा ने ग्रामवासियों के साथ बैठक कर गांव के विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि ग्राम मांढर के सर्वांगीण विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, हनुमंत आडिल, सत्रीं साहू, शिवेंद्र साहू, सहित गांव के वरिष्ठ नागरिक, यादव समाज के युवा, महिलाएं, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर भगवान गोवर्धन नाथ को अन्नकूट का प्रसाद अर्पित किया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

भूपेश ने राहुल को भगवान श्रीकृष्ण बताकर चाटुकारिता की हदें तोड़ दीं : भाजपा

भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय की बघेल के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया

यश भारत

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसमें बघेल ने राहुल गांधी को श्रीकृष्ण बताया है। श्री पाण्डेय ने कहा कि बघेल के इस बयान को सुनकर उन्हें एक बार फिर उनके स्वर्गीय पूज्य पिताजी की याद आ गई, जिनके समय में भी इसी प्रकार के तर्क-कुतर्क देखने को मिलते थे। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि वह (श्री पाण्डेय स्वयं) राहुल गांधी की तुलना दुशासन, दुर्योधन या कंस से करके कंस, दुर्योधन और दुशासन का अपमान नहीं करेंगे। लेकिन, चमचागिरी की भी कोई सीमा होती है। ?कांग्रेस पार्टी की कार्यशैली पर निशाना साधते हुए श्री पाण्डेय ने कहा



कि इंडियन नेशनल कांग्रेस में केवल चमचागिरी से ही पद, कद और प्रतिभा को मापा जाता है। श्री पाण्डेय ने इतिहास का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने भी चाटुकारिता की हद पार करते हुए %इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा% कहकर इंदिरा गांधी को भारत माता का दर्जा दे दिया था। श्री पाण्डेय ने कहा कि कहाँ योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण और कहाँ राहुल गांधी! बघेल को कम-से-कम एक बार सोच-समझकर अपनी बात की सीमा तय करनी चाहिए थी। दिग्विजय सिंह के शासनकाल का उल्लेख करते हुए श्री पाण्डेय ने कहा कि उस समय प्रसिद्ध कविता ÷यह कदंब का पेड़ अगर माँ! होता यमुना तीरे, मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे÷ तक को साम्प्रदायिक बताकर पाठ्यक्रम से हटा दिया गया था, और आज वही कांग्रेस भगवान श्रीकृष्ण के नाम का राजनीतिक उपयोग कर रही है!

केट के भव्य दीपावली मिलन समारोह में उमड़ा व्यापारी समाज

स्वदेशी संकल्प और संगठनात्मक एकजुटता का दिखा अभूतपूर्व उत्साह

प्रदेशभर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, व्यापारी, उद्योगपति, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में हुए शामिल

यश भारत

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित भव्य दीपावली मिलन समारोह हर वर्ष की तरह इस वर्ष



अभूतपूर्व उत्साह, उल्लास और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में पूरे छत्तीसगढ़ के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों, व्यापारी बंधुओं, उद्योगपतियों, जनप्रतिनिधियों, युवा एवं महिला उद्यमियों तथा गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। समारोह ने प्रदेश के व्यापारी समाज की एकजुटता, आपसी सौहार्द और बाप्ज् की सशक्त संगठनात्मक भूमिका का शानदार परिचय दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर CSIDC के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, संगठन के संरक्षक आसुदामल वाधवानी, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, रामजी भाई पटेल, परविन्दर सिंह भाटिया सलाहकार उत्तम गोलछा, भरत बजाज, जगदीष पटेल, मनमोहन अग्रवाल, संजय रावत, पवन वाधवा।

CAIT के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों, एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि व्यापारी समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और राष्ट्र के आर्थिक विकास में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। दीपावली का पर्व हमें नई ऊर्जा, सकारात्मकता और एकजुटता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी कैट ने वोकल फॉर लोकल के तहत आया त्योहार.. चलो बाजार का अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जिससे इस वर्ष भी बड़ी संख्या लोग ऑनलाइन की बजाय बाजार में खरीददारी के लिए निकले आत्मनिर्भर भारत के लिए हम लगातार स्वदेशी अभियान चला रहे हैं स्वदेशी अपनाना केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता को मजबूत बनाने का संकल्प है। प्रत्येक व्यापारी अपनी दुकान और प्रतिष्ठान के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित कर रहे है , स्थानीय उत्पादकों को अवसर दे रहे है और भारतीय व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में योगदान दे रहे है ।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला , मिशन मीडिया (प्रा.लि.) प्लाट नम्बर -9/1 छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स,रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित एवं हॉउस नम्बर 18/303 सेक्टर 27 ,नवा रायपुर ,रायपुर छत्तीसगढ़ -492018 से प्रकाशित। संपादक आशीष कुमार शुक्ला सलाहकार संपादक श्याम कटारे
प्रबंध संपादक अजय क्षत्रे, स्थानीय संपादक अरविंद कुमार पांडेय मो .-9827117441 RNI-CTHI/26/A5 206 ईमेल -raipuryashbharat@gmail.com (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) , सिटी ऑफिस- आर्यन टॉवर द्वितीय तल द्रोणाचार्य स्कूल के पास रायपुर, मो .-9111201000 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार रायपुर)